भाद्रपद शुक्ल - 7 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 60 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 22-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों से दुनिया में भारत का कद बढ़ा'

6 बढ़ता ई-कचरा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए खतरा

7 करण जौहर की फिल्म में काम करेंगे सलमान खान!

फर्स्ट टेक

लीबिया में बाढ़ से 43 हजार से अधिक लोग विस्थापित

त्रिपोली/वार्ता। पूर्वी लीबिया में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण 43,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आईओएम ने कहा, ''पूर्वोत्तर लीबिया में बाढ़ के कारण अनुमानित रूप से 43,059 लोग विस्थापित हुए हैं,'' आईओएम ने कहा, पानी की आपूर्ति की कमी कथित तौर पर कई निवासियों को डर्ना शहर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है, जिसे क्षेत्र में सबसे व्यापक क्षति हुई है और लोग अन्य नगर पालिकाओं में स्थानांतरित हो रहे हैं। आईओएम ने कहा, ''विस्थापित व्यक्ति डर्ना से पूर्वी स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं, जिनमें टोब्रुक के 1,320 व्यक्ति और बेंगाजी के 730 व्यक्ति शामिल हैं।

पाकिस्तान में जनवरी 2024 के आखिरी हफ्ते में होंगे आम चुनाव

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि देश में आम चुनाव जनवरी 2024 के आखिरी हफ्ते में कराए जाएंगे। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के राजनीतिक दल समय पर चुनाव कराने का लगातार दबाव बना रहे थे जिसके बाद आयोग ने यह घोषणा की है। आयोग ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य की समीक्षा की है और परिसीमन किए गए निर्वाचन क्षेत्रों की शुरुआती सूची 27 सितंबर को जारी की जाएगी। आयोग ने कहा कि राजनीतिक दल शुरुआती सूची पर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं जिसके बाद वह सभी आपत्तियों और सुझावों पर विचार करेगा। आयोग ने बताया कि सूची के संबंध में आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के बाद 30 नवंबर को अंतिम सूची जारी की जाएगी और उसके बाद चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान शुरू

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने कनाडा में रहने वाले कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े अपराधियों को पकड़ने के लिए बृहस्पतिवार को कई जगहों पर छापेमारी शुरू की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, विशेष अभियान सुबह करीब सात बजे शुरू हुआ और यह राज्य के सभी जिलों में जारी है। विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने पीटीआई-भाषा से कहा, अभियान पूरे पंजाब में 1,200 से ज्यादा स्थानों पर चलाया जा रहा है।

22-09-2023 सूर्यास्त 6:16 बजे | 23-09-2023 सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
66,230.24	19,742.35
(-570.60)	(-159.05)

सोना	चांदी
6,161 रु.	73,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

महिला आरक्षण लागू होने के बाद बदलेगा देश का मिजाज : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देश की मातृशक्ति का जो मिजाज बदलेगा, जो विश्वास पैदा होगा वो देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली एक अकल्पनीय, अप्रतीम शक्ति के रूप में उभरेगा

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन विधेयक 2023 को भारी बहुमत से पारित करने के लिए आज लोकसभा में सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि महिला आरक्षण लागू होने के बाद भारत का मिजाज बदलेगा और देश एक नई ऊंचाई पर पहुंचेगाद्ध

मोदी ने लोकसभा में चंद्रयान 3 की सफलता एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की उपलब्धियों पर चर्चा शुरू होने से पहले आज एक संक्षिप्त बयान में आभार जताया। अध्यक्ष ओम बिरला को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आपने मुझे बोलने के लिए अनुमति दी, समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं। मैं सिर्फ 2-4 मिनट लेना चाहता हूं। कल भारत की संसदीय यात्रा का एक स्वर्णिम पल था। और उस स्वर्णिम पल के हकदार इस सदन के सभी सदस्य हैं, सभी दल के सदस्य हैं, सभी दल के नेता भी हैं। सदन में हो या सदन के बाहर हो वे भी उतने ही हकदार हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आज आपके माध्यम से इस बहुत महत्वपूर्ण निर्णय में और देश की मातृशक्ति में एक नई ऊर्जा भरने में, ये कल का निर्णय और आज राज्य सभा के बाद जब हम अंतिम पड़ाव भी पूरा कर लेंगे, देश की मातृशक्ति का जो मिजाज बदलेगा, जो विश्वास पैदा होगा वो देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली एक अकल्पनीय, अप्रतीम शक्ति के रूप में उभरेगा ये मैं अनुभव करता हूं।

कावेरी जल विवाद, उच्चतम न्यायालय का

तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी देने के आदेश में दखल से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण एवं कावेरी जल नियमन समिति द्वारा तमिलनाडु को 15 दिन तक प्रति दिन 5,000 क्यूसेक पानी देने के बारे में कर्नाटक सरकार को दिए गए आदेशों के संदर्भ में बृहस्पतिवार को दखल देने से इनकार कर दिया।

कावेरी जल नियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने 12 सितंबर को दिए अपने आदेश में कर्नाटक को अगले 15 दिन तक तमिलनाडु को हर दिन 5,000 क्यूसेक पानी देने का निर्देश दिया था। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूआरसी) ने इस आदेश को बरकरार रखा था।

न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि वह तमिलनाडु की उस याचिका पर सुनवाई करने की इच्छुक नहीं है जिसमें राज्य ने कावेरी जल नियमन समिति के आदेश को बरकरार रखने के सीडब्ल्यूएमए के फैसले को इस आधार पर चुनौती दी है कि बारिश की कमी के कारण राज्य सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहा है।

कोई बातचीत नहीं, न्यायालय का फैसला अंतिम : तमिलनाडु सरकार

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने बृहस्पतिवार को कावेरी मुद्दे पर किसी भी प्रकार की बातचीत को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय का फैसला अच्छा और निर्णायक है। पड़ोसी राज्य कर्नाटक की बातचीत की मांग की संभावनाओं को दरकिनार करते हुए राज्य के जल संसाधन मंत्री दुरई मुरुगन ने कहा कि तमिलनाडु कावेरी नदी के अपने हिस्से पर समझौता नहीं करेगा।

देश भर के संतों की मौजूदगी में

भव्य और गरिमा पूर्ण हुआ एकात्मता प्रतिमा का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओंकारेश्वर (खंडवा)/वार्ता। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज देश भर से आए संतों की उपस्थिति में खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में 108 फीट ऊंची आदि शंकराचार्य की एकात्मता प्रतिमा मूर्ति का अनावरण किया। चौहान ने बहुधातु से निर्मित प्रतिमा के अनावरण के साथ-साथ एकात्म धाम का शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदि गुरू शंकराचार्य महाराज ने सांस्कृतिक रूप से देश को जोड़ने का कार्य किया। आदि शंकराचार्य की जन्मस्थली केरल थी, लेकिन उन्होंने जंगलों, पहाड़ों से यात्रा करते हुए ओंकारेश्वर में ज्ञान प्राप्त किया। यहाँ से ज्ञान प्राप्त कर वे काशी की ओर आगे बढ़े। उनके अद्वैत वेदांत के कारण भारत एक है। आदि शंकराचार्य ने देश के चार कोनों में चार मठों की स्थापना की। स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, तुलसी दास और कबीर दास सहित प्रमुख संतों ने आदि गुरू शंकराचार्य के अद्वैत ज्ञान को अपनाया है। आने वाली पीढ़ियों को भी अद्वैत ज्ञान मिलता रहे, इसी उद्देश्य से उनकी स्मृति में एकात्म धाम बनाया जा रहा है।

समारोह के दौरान देश भर के साधु संत और अवधेशानंद महाराज भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी साधु संतों का आशीर्वाद प्राप्त किया और आदि गुरु शंकराचार्य को साष्टांग दण्डवत होकर प्रणाम किया।

कनाडा आतंकवादियों की पनाहगाह : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। सरकार ने कनाडा को आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाह ठहराते हुए गुरुवार को कहा कि कनाडा की ओर से खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में भारत को एक भी सबूत नहीं दिए गए जबकि भारत द्वारा कनाडा की धरती पर भारत विरोधी गतिविधियों के कई सबूत मुहैया कराने के बावजूद वहां कोई कार्रवाई नहीं की गई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां नियमित ब्रीफिंग में कहा कि उनकी राय में कनाडा सरकार पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं तथा उसने भारत पर जो भी आरोप लगाए हैं, वे राजनीति से प्रेरित हैं।

एक सवाल पर प्रवक्ता ने बताया कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की जी-20 शिखर-सम्मेलन के लिए हाल की भारत यात्रा के दौरान श्री ट्रूडो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात में निज्जर की हत्या का मामला उठाया था और भारत की भूमिका की बात कही थी जिसे श्री मोदी ने खारिज कर दिया था। यह पूछे जाने पर कि क्या कनाडा ने भारत उन घटनाओं के बारे में कोई प्रमाण या साक्ष्य दिए हैं, जिन्हें लेकर वह भारत पर दोषारोपण कर रहा है, प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा कि कनाडा ने भारत को निज्जर की हत्या में भारतीय हाथ होने के बारे में कोई सबूत नहीं दिए हैं।

कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करने पर अस्थायी रोक

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने कनाडा स्थित अपने उद्यायोग और वाणिज्य दूतावासों के समक्ष उत्पन्न 'सुरक्षा खतरों' के मद्देनजर बृहस्पतिवार को कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करने पर अस्थायी रूप से रोक लगाने की घोषणा की। कनाडा में एक खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या से संबंधित ओटावा के आरोपों को लेकर उत्पन्न कूटनीतिक विवाद के बीच भारत ने यह कदम उठाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि इस फैसले में तीसरे देशों में कनाडाई वीजा आवेदक भी शामिल होंगे। उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर भी दिया कि कनाडा को उसके क्षेत्र से संचालन कर रहे खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

सुखदुल सिंह की कनाडा के विनिपेग शहर में हत्या

चंडीगढ़/नई दिल्ली/भाषा। पंजाब के सर्वाधिक वांछित अपराधियों में से एक गैंगस्टर सुखदुल सिंह उर्फ सुक्खा दुनेके की अज्ञात लोगों ने कनाडा के विनिपेग शहर में हत्या कर दी। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, '' इसे कुछ गैंग के बीच आपसी दुश्मनी का परिणाम माना जा रहा है।'' सूत्रों ने बताया कि गैंगस्टर के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास और डकैती सहित कम से कम 18 मामले थे। उसकी हत्या कनाडा के समयानुसार बुधवार रात को हुई।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब जून में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा में राजनयिक विवाद खड़ा हो गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया है।

हमारी संस्कृति को विज्ञान की विरोधी बताने वालों को कुछ नहीं पता : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'चंद्रयान-3' की सफलता के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), वैज्ञानिकों और देशावासियों को बृहस्पतिवार को बधाई दी और कहा कि संस्कृति एवं विज्ञान एक दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं तथा भारत की संस्कृति को विज्ञान विरोधी कहने वालों को कुछ मालूम नहीं है। उन्होंने लोकसभा में 'चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे राष्ट्र की उपलब्धियों के बारे में चर्चा' मे हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि 'चंद्रयान-3' की सफलता उन सभी लोगों के लिए गर्व का विषय है जो अपने राष्ट्र और राष्ट्र की उपलब्धियों पर गर्व करते हैं।

सिंह ने कहा, ''चंद्रयान-3 की सफलता हमारे लिए निश्चित रूप से एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। क्योंकि एक तरफ दुनिया के अधिकांश विकसित देश हैं, जो हमसे कहीं अधिक संसाधन-संपन्न होते हुए भी, चांद पर पहुंचने के लिए प्रयासरत हैं, तो वहीं दूसरी तरफ हम बेहद सीमित संसाधनों से चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाले दुनिया के पहले देश बने हैं।''

रक्षा मंत्री ने वैज्ञानिक चेतना का उल्लेख करते हुए कहा, ''जब मैं यहां वैज्ञानिक चेतना की बात कर रहा हूं, तो उससे मेरा मतलब केवल कुछ वैज्ञानिक उपकरणों के विकास कर लेने भर से नहीं है। वैज्ञानिक चेतना से मेरा आशय है कि वैज्ञानिकता और तार्किकता हमारी सोच में हो, वह हमारे बात व्यवहार में हो, और वह हमारे स्वभाव में हो।'' उनका कहना था कि संस्कृति के बगैर विज्ञान, और विज्ञान के बगैर संस्कृति अधूरी है तथा दोनों को एक दूसरे का पूरक कहा जा सकता है, क्योंकि दोनों ही मनुष्यता के लिए जरूरी हैं।

सिंह ने कहा कि संस्कृति के बगैर विज्ञान और विज्ञान के बगैर संस्कृति अधूरी है, संस्कृति और विज्ञान दोनों एक दूसरे से जुड़ने के बाद ही पूर्णता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों को एक दूसरे का पूरक कहा जा सकता है, क्योंकि दोनों ही मनुष्यता के लिए जरूरी हैं।

भारत खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या मामले में न्याय के लिए कनाडा का साथ दे : जस्टिन ट्रूडो

न्यूयॉर्क/भाषा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बृहस्पतिवार को फिर से कहा कि ऐसे ''विश्वसनीय आरोप हैं'' जिन्हें ''अत्यधिक गंभीरता'' से लेने की जरूरत है। साथ ही, उन्होंने खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या के मामले में न्याय दिलाने में उनके (ट्रूडो के) देश के साथ काम करने का भारत सरकार से आग्रह किया। भारत और कनाडा के बीच जारी राजनयिक विवाद के सवाल पर उन्होंने कहा, ''हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि वह इस मामले को गंभीरता से ले और हमारे साथ काम करे, ताकि इस मामले में पूरी पारदर्शिता बरती जा सके और जवाबदेही एवं न्याय सुनिश्चित किया जा सके।'' ट्रूडे से जब यह पूछा गया कि भारत द्वारा कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा सेवा स्थगित करने के फैसले के बाद क्या उनकी सरकार जवाबी कदम उठाएगी, तो उन्होंने कहा, ''हमारे देश में कानून का शासन है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

देश राग

यह देश रहा गुरु अखिल विश्व का,
वैदिक मंत्र ऋचाओं का।
शरणागत वत्सल रहा सदा,
समरसता भरी पनाहों का।
हर धर्म जाति का उन्नायक,
खेतों नदियों और गाँवों का।
पर आज देख कर यूं लगता,
यह रह गया सिर्फ चुनावों का।।

रूस ने यूक्रेन में पूर्व से पश्चिम तक के शहरों पर हमले किए

कीव/एपी। रूस ने बृहस्पतिवार को मिसाइल और तोप से यूक्रेन के पूरब से लेकर पश्चिम तक के शहरों पर हमला किया जिससे कई स्थानों पर आग लग गई और कम से कम दो लोग मारे गए। कई अन्य के मलबे में दबे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय में किए गए हैं जब पोलैंड ने व्यापार विवाद के चलते हथियारों की आपूर्ति रोक दी है। रूस ने तड़के बृहस्पतिवार को 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' के मौके पर गत एक महीने के सबसे बड़े हमले को अंजाम दिया। मिसाइल से ये हमले ऐसे समय में किए गए जब न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा का सलाना सम्मेलन शुरू हुआ है, जहां पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस को 'आंतकवादी राष्ट्र' करार दिया। जेलेंस्की ने अपने भाषण में 'यूक्रेन के शांति फॉर्मूले' को सामने रखा। उनको बृहस्पतिवार को वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और कांग्रेस नेताओं से मिलना था जहां 24 अरब अमेरिकी डॉलर के अतिरिक्त राहत पैकेज पर चर्चा होनी थी। यूक्रेन के प्रमुख समर्थकों में से एक पोलैंड ने कहा कि वह अपने हथियारों की आपूर्ति पड़ोसी देश को करने पर रोक लगा रहा है क्योंकि वह स्वयं अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है।

मुलाकात

भाजपा सांसद बसंत कुमार पांडा ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसद भवन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की।

हम इजरायल से संबंध बनाने के करीब पहुंच रहे हैं : मोहम्मद बिन सलमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने कहा है कि उनका देश इजरायल से संबंध सुधारने की दिशा में हर दिन आगे बढ़ रहा है। हालांकि उन्होंने कहा कि फलस्तीनियों के साथ व्यवहार एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है जिसे हल किया जाना है। उन्होंने 'फॉक्स न्यूज' को दिए साक्षात्कार में यह बात कही।

सऊदी अरब अमेरिका के साथ एक बड़े समझौते पर चर्चा कर रहा है जिसमें वह अमेरिका से रक्षा समझौते और अपने नागरिक परमाणु कार्यक्रम को विकसित करने में सहायता के बदले इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाएगा। सउदी अरब ने कहा है कि किसी भी सौदे के लिए फलस्तीनियों के देश के निर्माण की दिशा में बड़ी प्रगति की आवश्यकता होगी।

बुधवार को प्रसारित 'स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर' में सलमान से पूछा गया कि सऊदी अरब इजरायल से रिश्ते सामान्य बनाने के लिए क्या कर रहा है, तो उन्होंने कहा, हमारे लिए फलस्तीन का मुद्दा काफी महत्वपूर्ण है।

'धार्मिक' अतिक्रमण के खिलाफ उत्तराखंड सरकार का अभियान जारी रहेगा: धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा (राजस्थान)/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देवभूमि के मूल चरित्र को बदलने वाले धार्मिक प्रतीकों सहित अतिक्रमण को हटाने का उनकी सरकार का अभियान जारी रहेगा।

धामी का परोक्ष तौर पर इशारा उस ओर था जिसे उन्होंने पहले ''भूमि जिहाद'' के नाम पर अतिक्रमण करार दिया था। उन्होंने कहा था कि एक साजिश के तहत बिना अनुमति के सार्वजनिक एवं वन भूमि पर हजारों धर्मस्थल अवैध रूप से बनाए गए हैं। धामी ने इस साल शुरू हुए अभियान का उल्लेख करते हुए यहां संवाददाताओं से कहा कि उत्तराखंड में प्राधिकारियों ने 3,300 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटा दिया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन संकल्प यात्रा में हिस्सा लेने आए धामी ने यह घोषणा भी की है कि उनकी सरकार राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि विधि आयोग ने अपनी सिफारिशें कर दी हैं, सरकार ने धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के हितधारकों से भी मुलाकात की है और वह कानून को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह विकास और कल्याण योजनाओं के लिए केंद्रीय धन का उपयोग नहीं करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन के तहत हजारों करोड़ रुपये बिना उपयोग के रह गए, क्योंकि राज्य सरकार लोगों को लाभ नहीं पहुंचाना चाहती। उन्होंने कानून-व्यवस्था पर अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए लोगों से कांग्रेस को उखाड़ फेंकने और प्रगति एवं विकास के लिए भाजपा की ''डबल इंजन सरकार'' बनाने का आह्वान किया।

धामी ने कहा कि यात्रा को जनता से भारी समर्थन मिला और इसमें कोई संदेह नहीं है कि राज्य में भाजपा का सत्ता में लौटना तय है।

बीते वित्त वर्ष में परिवारों पर कर्ज का बोझ हुआ दोगुना, बचत हुई आधी : एसबीआई रिसर्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत करीब 55 प्रतिशत गिरकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत पर आ गई, जबकि इन परिवारों पर कर्ज को बोझ दोगुना से भी अधिक होकर 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी मिली है। एसबीआई रिसर्च की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू बचत से निकासी का एक बड़ा हिस्सा भौतिक संपत्तियों में चला गया है और 2022-23 में इनपर कर्ज भी 8.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें से 7.1 लाख करोड़ रुपये आवास ऋण एवं अन्य खुदरा कर्ज के रूप में बैंकों से लिया गया है।

पिछले वित्त वर्ष में घरेलू बचत गिरकर जीडीपी के 5.1% पर सिमट गई, जो पिछले पांच दशक में सबसे कम है। वित्त वर्ष 2020-21 में घरेलू बचत जीडीपी के 11.5% के बराबर थी, जबकि महामारी से पहले 2019-20 में यह 7.6% थी। सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्वपूर्ण जरिया घरेलू बचत ही होती है। ऐसे में परिवारों की बचत का गिरना चिंता का विषय हो सकता है। राष्ट्रीय खातों में घरेलू क्षेत्र के भीतर व्यक्तियों के अलावा खेती एवं गैर-कृषि व्यवसाय जैसे सभी गैर-सरकारी, गैर-कॉरपोरेट उद्यम, एकल स्वामित्व एवं भागीदारी जैसे प्रतिष्ठान और गैर-लाभकारी संस्थान आते हैं। एसबीआई के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि महामारी के बाद से परिवारों की वित्तीय देनदारियां 8.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गईं, जो सकल वित्तीय बचत में हुई 6.7 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि से अधिक हैं। इस अवधि में परिवारों की संपत्ति के स्तर पर बीमा और भविष्य निधि एवं पेंशन कोष में 4.1 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

टाटा पावर रिन्यूएबल नेपाल के बाजार में उतरी, डुगर पावर से किया करार

नई दिल्ली/भाषा। नवीकरणीय समाधान प्रदाता कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी (टीपीआरईएल) ने नेपाल में नवीकरणीय ऊर्जा उद्यम को गति देने के लिए स्थानीय कंपनी डुगर पावर के साथ समझौता किया है। टाटा पावर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि यह गठजोड़ नेपाल के तेजी से विकसित हो रहे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में टीपीआरईएल के रणनीतिक प्रवेश की शुरुआत है और स्थायी ऊर्जा की ओर नेपाल के बदलाव को गति देने में एक लंबी छलांग के लिए मंच तैयार करता है। बयान के अनुसार, टीपीआरईल ने नेपाल के प्रमुख औद्योगिक समूह डुगर की अनुषंगी इकाई डुगर पावर प्राइवेट लिमिटेड (डुगर पावर) के साथ करार किया है।

यह साझेदारी ऑन और ऑफ-ग्रिड ऊर्जा समाधानों की एक श्रृंखला का उत्पादन करने और क्षेत्र में ऊर्जा स्थिरता के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की शुरुआत करने के लिए परिवर्तनकारी सौर प्रौद्योगिकियों के लिए तैयार है। यह समझौता नेपाल की विविध ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजायन किया गया है।

डीजीसीए ने एअर इंडिया के उड़ान सुरक्षा प्रमुख को एक महीने के लिए निलंबित किया

नई दिल्ली/भाषा। डीजीसीए ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कुछ खामियों के कारण टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया के उड़ान सुरक्षा प्रमुख राजीव गुप्ता को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीम ने 25 और 26 जुलाई को आंतरिक लेखा परीक्षा, दुर्घटना निवारण कार्य और आवश्यक तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता के संबंध में एअर इंडिया की समीक्षा की थी।

डीजीसीए ने एक विज्ञप्ति में कहा कि समीक्षा में एअर इंडिया के दुर्घटना रोकथाम कार्य, अनुमोदित उड़ान सुरक्षा नियमों और प्रासंगिक नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता में खामियां पाई गईं। विज्ञप्ति में कहा गया है, खामियों को लेकर एअर इंडिया के उड़ान सुरक्षा प्रमुख को दी गई मंजूरी पर एक महीने के लिए रोक लगा दी गई है।

राजीव गुप्ता एअर इंडिया लिमिटेड के उड़ान सुरक्षा प्रमुख हैं। पहले भी, डीजीसीए ने विभिन्न कथित उल्लंघनों और खामियों के लिए एअर इंडिया के खिलाफ कार्रवाई की थी। पिछले महीने, डीजीसीए ने 'सिम्युलेटर' प्रशिक्षण में कुछ खामियों के लिए मुंबई और हैदराबाद में एअर इंडिया के प्रशिक्षण केंद्रों के एटीओ अनुमोदन को 10 दिनों के लिए निलंबित कर दिया था।

'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के लिए नेहरू, गांधी स्मारक से मिट्टी एकत्र करेंगे भाजपा नेता गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नेता विजय गोयल 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के तहत दिल्ली में महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सहित महान शख्सियतों के स्मारकों से मिट्टी एकत्र करेंगे।

गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष और भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष गोयल ने कहा कि इसमें कोई राजनीति नहीं है। गोयल ने कहा, 'यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी नए संसद भवन में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को श्रद्धांजलि दी है। हम भारत को शक्तिशाली और जीवंत राष्ट्र बनाने के लिए सभी की एकता के उनके (प्रधानमंत्री मोदी के) संदेश को आगे बढ़ा रहे हैं।' संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि 23 सितंबर को राजघाट स्थित महात्मा गांधी के स्मारक स्थल से मिट्टी इकट्ठा कर अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर, अटल बिहारी वाजपेयी और समाजवादी नेता जगजीवन राम सहित अन्य महान शख्सियतों के स्मारक स्थलों से भी मिट्टी इकट्ठा की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने शहीद जवानों के सम्मान में जुलाई में 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान की घोषणा की थी। अभियान के अंतर्गत, दिल्ली में एक 'अमृत कलश यात्रा' आयोजित की जाएगी, जिसमें देश के अलग-अलग कोनों से जमा की गई मिट्टी को 7,500 कलश में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के समीप लाया जाएगा और 'अमृत वाटिका' का निर्माण किया जाएगा।

चंद्रयान-3 को कोई 'अवैज्ञानिक रंग' नहीं दिया जाए, विक्रम साराभाई का नाम मिले : ए राजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता ए. राजा ने बृहस्पतिवार को सरकार से कहा कि चंद्रयान-3 मिशन को कोई 'राजनीतिक रंग' नहीं दिया जाए और इसका नामकरण महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई के नाम पर किया जाए। राजा ने लोकसभा में ''चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारे राष्ट्र की अन्य उपलब्धियां'' विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि भारत की बढ़ती वैज्ञानिक शक्ति का प्रभाव समाज के निचले स्तर तक पहुंचना चाहिए। राजा ने कहा, ''चंद्रयान-3 को अंतरिक्ष की सही कक्षा में पहुंचाकर पौराणिक मिथकों को समाप्त कर दिया गया है और यह द्रविड़ संस्कृति की जीत है।'' उन्होंने कहा, ''मेरा सरकार से अनुरोध है कि चंद्रयान को कोई वैज्ञानिक रंग नहीं दिया जाए। अमेरिका, रूस और चीन ने भी ऐसा नहीं किया। चंद्रयान-3 को विक्रम साराभाई का नाम दिया जाए।''

द्रमुक सांसद ने कहा, ''एक तरफ आप चंद्रयान को अंतरिक्ष में भेज रहे हैं, दूसरी तरफ आपका दिल और दिमाग कहीं और है। यह विरोधाभास है। एक तरफ प्रधानमंत्री चंद्रयान-3 की सफलता से अभिभूत हैं और दूसरी तरफ उन्हें विश्वकर्मा योजना शुरू करने का गौरव है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना लोगों को सुनार, जूते बनाने के काम जैसे परंपरागत कार्यों में ही शामिल रहने के लिए प्रोत्साहित करती है।

राजा ने यह भी कहा कि भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अमेरिका, रूस और चीन के साथ जो समानता हासिल की है, वह यह संदेश देगी कि देश अंतरिक्ष अनुसंधान में किसी से पीछे नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राजा की कुछ टिप्पणियों पर विरोध दर्ज कराते हुए व्यवस्था का प्रश्न उठाया और कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 सभी को अपनी आस्था के धर्म का अनुपालन करने का अधिकार देता है और कोई व्यक्ति उनकी धार्मिक आस्थाओं पर सवाल नहीं उठा सकता। उन्होंने कहा, ''लेकिन वह (राजा) हम पर बार-बार निशाना साध रहे हैं। हम सनातन को मानते हैं, हम हिंदू हैं और आपको हम पर बार-बार हमला करने का कोई अधिकार नहीं है।'' पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने राजा से अपने बयानों में सावधानी बरतने को कहा। उन्होंने कहा, ''कई बार पौराणिक मान्यताएं और इतिहास मिले-जुले होते हैं। उन्हें अलग नहीं किया जा सकता। हमारे देश में पुराणों के माध्यम से इतिहास बताने की परंपरा है।'' राजा ने कहा कि हम चंद्रयान-3 को अंतरिक्ष में भेजने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों को नकार नहीं सकते, लेकिन यह सामूहिक वैज्ञानिक एवं राजनीतिक उपलब्धि है।

इस त्योहारी सीजन में अधिक खर्च करने को तैयार हैं भारतीय उपभोक्ता : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय उपभोक्ताओं का खर्च इस त्योहारी सीजन में बढ़ने की उम्मीद है। डेलॉयट की एक सर्वे रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विलासिता वाले उत्पादों और त्योहारी सीजन की वस्तुओं की खरीद पर खर्च बढ़ने से कुल उपभोक्ता खर्च बढ़ेगा। डेलॉयट के 'कंज्यूमरसिग्नल्स' शोध में कहा गया है कि लगभग आधे प्रतिभागियों को लगता है कि निकट भविष्य में अप्रत्याशित खर्च को वे आसानी से संभाल सकते हैं। इसमें कहा गया, त्योहारी मौसम के निकट आते ही भारतीय उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ रहा है। सर्वे में शामिल 56 प्रतिशत लोगों ने उत्सव वाली वस्तुएं खरीदने को लेकर अपनी तैयारी के संकेत दे दिए हैं। शोध में कहा गया कि त्योहारी सीजन के दौरान उपभोक्ताओं का मुख्य रूप से कपड़ों, निजी देखभाल के उत्पादों, मनोरंजन आदि पर खर्च बढ़ने की संभावना है। इसमें कहा गया, ये रुझान त्योहारी सीजन नजदीक आने पर खर्च में बढ़ोतरी की ओर इशारा करते हैं। डेलॉयट एशिया-प्रशांत के 'भागीदार और उपभोक्ता उद्योग लीडर राजीव सिंह ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि उपभोक्ताओं को 'प्रीमियम' और 'लक्जरी' वस्तुओं पर खर्च के लिए प्रेरित करती है।

न्यू जेन नेक्सन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को गुवाहाटी में न्यू जेन नेक्सन के लॉन्च के मौके पर एक मॉडल।

हिप्र में रैगिंग के मामले में एमबीबीएस के 12 छात्र निलंबित, प्रत्येक पर 50 हजार रु. जुर्माना

धर्मशाला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में स्थित एक चिकित्सा कॉलेज के 12 छात्रों को कनिष्ठ छात्रों की रैगिंग करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया और प्रत्येक पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्राधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राज्य में दो महीने के भीतर रैगिंग का यह दूसरा मामला है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी में 11 अगस्त को एक कार्यक्रम के दौरान कनिष्ठ छात्रों की कथित रैगिंग के आरोप में 10 छात्रों को निलंबित कर दिया गया था और 62 अन्य छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय (आरपीजीएमसी) प्रशासन के मुताबिक, आरोपी छात्रों को कॉलेज से तीन महीने के लिए और छात्रावास से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। आरपीजीएमसी के प्रधानाचार्य भानू अवस्थी ने बताया कि इसके अलावा प्रथम वर्ष के दो छात्रों को कॉलेज प्राधिकारियों से घटना की जानकारी छिपाने के लिए चेतावनी भी जारी की गई है।

इरादतन कर्ज नहीं चुकाने वालों के लिए नियमों में बदलाव का प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों को लेकर नियमों में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव किया है। इसमें जानबूझकर कर्ज नहीं लौटाने वालों की परिभाषा भी तय की गयी है।

इस श्रेणी में उन लोगों को रखा गया है, जिनके ऊपर 25 लाख रुपये या उससे अधिक का कर्ज है तथा भुगतान क्षमता होने के बावजूद उन्होंने उसे लौटाने से इनकार कर दिया। आरबीआई ने नये दिशानिर्देश के मसौदे पर संबंधित पक्षों से टिप्पणियां मांगी हैं। इसमें अन्य बातों के अलावा कर्जदाताओं के लिये दायरे का विस्तार करने का प्रस्ताव है। वे कर्ज लेने वालों को जानबूझकर बकाया राशि नहीं लौटाने वाले की श्रेणी में वर्गीकृत कर सकते हैं और पहचान प्रक्रिया को बेहतर कर सकते हैं। प्रस्ताव के तहत जानबूझकर चूक करने वाले ऋण सुविधा के पुनर्गठन के पात्र नहीं होंगे। साथ ही वे किसी अन्य कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल नहीं हो सकते हैं। दिशानिर्देशों के मसौदे में कहा गया है, ''जहां भी आवश्यक हो, कर्जदाता बकाया राशि की तेजी से वसूली के लिये उधार लेने वाले / गारंटी देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करेगा।'' इसमें कहा गया है कि कर्जदाता किसी खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में रखे जाने के छह महीने के भीतर जानबूझकर चूक करने वालों से संबंधित पहलुओं की समीक्षा करेगा और उसे अंतिम रूप देगा। रिजर्व बैंक ने दिशानिर्देशों के मसौदे पर संबंधित पक्षों से 31 अक्टूबर तक सुझाव देने को कहा गया है।

अहमदाबाद में 1.11 करोड़ रुपये मूल्य की 'मेफेड्रोन' के साथ तीन लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद में पिछले दो दिनों में 1.11 करोड़ रुपये के कथित 'मेफेड्रोन' के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'अहमदाबाद डिटेक्शन ऑफ क्राइम ब्रांच' द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, बुधवार को एक होटल के कमरे में छापेमारी के दौरान दो लोगों के पास से 52.18 लाख रुपये मूल्य के 521 ग्राम मादक पदार्थ को जब्त किया गया, जबकि बृहस्पतिवार को जाकिर हुसैन शेख नाम के व्यक्ति के पास से 594.8 ग्राम 'मेफेड्रोन' जब्त की गई जिसका मूल्य 59.48 लाख रुपये है।

लोगों को जाति, धर्म के नाम पर गुमराह किया जा रहा है ताकि वे बुनियादी सवाल न पूछें : प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुर्ग/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है और एक साजिश के तहत उन्हें धर्म एवं जाति के नाम पर गुमराह किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सवाल न करें।

जिले के भिलाई में भूपेश बघेल सरकार द्वारा आयोजित 'महिला समृद्धि सम्मेलन' को संबोधित करते हुए, प्रियंका ने बेरोजगारी और महंगाई के बारे में बात नहीं करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला बोला। प्रियंका ने कहा कि जब वह छोटी थीं, तो वह अपने पिता और तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ अमेठी के दौरे पर थी। राजीव गांधी जीप चला रहे थे और वह लोगों से बातचीत करने के लिये नीचे उतरे। कांग्रेस नेता ने कहा, एक महिला सड़कों की खराब हालत के बारे में शिकायत करते हुए मेरे पिता पर चिल्लाने लगी। मेरे पिता ने उसे जवाब दिया और जब मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्हें (महिला के रवैये के बारे में) बुरा लगा, तो उन्होंने कहा नहीं। उन्होंने कहा कि यह उनका कर्तव्य था, महिला को सवाल पूछना है और उन्हें उसे उत्तर देना है।''

उन्होंने कहा कि यह उस युग की राजनीति थी जब प्रधानमंत्री को भी जनता के प्रति सीधी जिम्मेदारी महसूस होती थी। उन्होंने कहा कि घटना के 40 साल बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश में एक महिला से पूछा था कि क्या उसके पास गैस सिलेंडर है, तब जीविका के लिए चूड़ियां बेचने वाली उस महिला ने कहा कि उसके पास एक है लेकिन वह खाली है। प्रियंका ने कहा कि महिला ने पानी की आपूर्ति और बिजली की कमी के बारे में शिकायत की, लेकिन कहा कि वह मौजूदा विधायक को वोट देगी और फिर जाति और धर्म के बारे में बात करने लगी। उन्होंने कहा, राजनीति में मूल्य बदल गए हैं। लोगों की भावनाओं का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है।

भरतनाट्यम नृत्यांगना सरोजा वैद्यनाथन का निधन

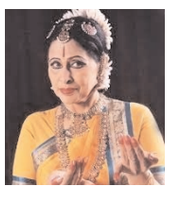

नई दिल्ली/भाषा। भरतनाट्यम नृत्यांगना सरोजा वैद्यनाथन का कैंसर के चलते बृहस्पतिवार तड़के यहां उनके आवास पर निधन हो गया। उनकी बहू और नृत्यांगना रमा वैद्यनाथन ने यह जानकारी दी। सरोजा 19 सितंबर को 86 वर्ष की हुई थीं। रमा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, आज तड़के करीब चार बजे उनका निधन हो गया। वह कुछ समय से कैंसर से पीड़ित थीं। शास्त्रीय नृत्यांगना सरोजा को 2002 में पद्म श्री और 2013 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वैद्यनाथन को भरतनाट्यम और कर्नाटक संगीत में उनके व्यापक योगदान के लिए जाना जाता है। रमा ने राष्ट्रीय राजधानी में 50 साल पहले शास्त्रीय नृत्य विद्यालय गणेश नाट्यालय की स्थापना के लिए अपनी सास और गुरु को याद किया।

रमा ने कहा, अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम उनकी विरासत को आगे ले जाएं। मैं हम सभी को दिए गए प्रेम के लिए उन्हें याद कर रही हूं। मैं आज जहां हूं, केवल उन्हीं की वजह से हूं। सरोजा का शुक्रवार दोपहर दो बजे लोधी रोड स्थित शवदाह गृह में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

जेलों में भीड़भाड़, न्याय में देरी चिंता का विषय बन गई है, अधिकांश कैदी विचाराधीन : संसदीय समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक स्थायी समिति ने इस बात का संज्ञान लिया है कि देश की जेलों में भीड़भाड़ है और न्याय में देरी चिंता का विषय बन गई है, जिसके कैदियों के साथ ही न्याय प्रणाली के लिए भी गंभीर परिणाम हो रहे हैं। समिति ने यह भी सिफारिश की है कि जेल में पैदा हुए बच्चों को 12 साल की उम्र तक उनकी माताओं के साथ रहने की अनुमति दी जाए, ताकि उनका कल्याण और विकास सुनिश्चित करते हुए उनके शुरुआती वर्षों के दौरान उन्हें अच्छा वातावरण प्रदान किया जा सके।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृजलाल की अध्यक्षता वाली गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने यह भी सिफारिश की कि उच्चतम न्यायालय के फैसले की तर्ज पर गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। न्यायालय ने कहा था कि प्रसव पूर्व और प्रसव बाद महिला कैदियों के साथ-साथ उनके बच्चों की देखभाल के लिए जेलों में पर्याप्त सुविधाएं होनी चाहिए।

समिति ने इस बात का भी संज्ञान लिया है कि जेलों में भीड़भाड़ और न्याय में देरी का मुद्दा एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है, जिससे कैदियों और समग्र रूप से आपराधिक न्याय प्रणाली, दोनों पर इनके कई परिणाम देखने को मिल रहे हैं। समिति की सिफारिश है कि भीड़भाड़ वाली जेलों से कैदियों को उसी राज्य या अन्य राज्यों की जेलों में खाली कोठरियों में, इस संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके स्थानांतरित किया जा सकता है। इस प्रकार की व्यवस्था समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले राज्यों के बीच पारस्परिक प्रकृति की हो सकती है।

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय जेलों में अत्यधिक भीड़ लंबे समय से देश की आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए चिंता का विषय है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेलों से कैदियों की संख्या कम करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के बावजूद, भारत में कैदियों की संख्या जेलों की कुल कैदी क्षमता 4.25 लाख की तुलना में 5.54 लाख है।

नई दिल्ली में गुरुवार को केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

गुरुवार को तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़े जाने के खिलाफ भारतीय रैयत ओक्कुटा ने दावणगेरे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर रास्ता रोककर प्रदर्शन किया।

सिद्दरामैया, शिवकुमार ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की तथा तमिलनाडु को प्रतिदिन 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने संबंधी कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश का अनुपालन करने में राज्य की अक्षमता से अवगत कराया। कावेरी का पानी तमिलनाडु को छोड़े जाने के खिलाफ किसान संगठनों के प्रदर्शन के मद्देनजर यह मुलाकात हुई।

इस बीच, उच्चतम न्यायालय ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) एवं कावेरी जल नियमन समिति द्वारा तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी देने के बारे में कर्नाटक सरकार को दिए गए आदेशों के संदर्भ में बृहस्पतिवार को हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री कुमार ने राज्यों कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी की एक बैठक बुलाकर इस विषय को हल करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हस्तक्षेप की भी मांग की। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, भगवंत खूबा और ए नारायणसामी बैठक में मौजूद थे। शिवकुमार ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, बैठक के दौरान, मंत्रियों को बताया गया कि पड़ोसी राज्य को पानी छोड़ने के खिलाफ किसान और विभिन्न संगठन प्रदर्शन कर रहे हैं। मानसून की बारिश की कमी के चलते कर्नाटक जल संकट का सामना कर रहा है। शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार प्राधिकरण के पूर्व के आदेशों का पालन करेगी, लेकिन 18 सितंबर को जारी किये गये आदेश का पालन करना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि फिर भी राज्य सरकार पड़ोसी राज्य को प्रतिदिन 4,000 क्यूसेक पानी छोड़ रही है। राज्य सरकार ने बुधवार को कर्नाटक के सभी सांसदों के साथ बैठक की थी और इस मुद्दे पर उनका समर्थन मांगा था।

तमिलनाडु को कावेरी का पानी देने के आदेश में दखल से न्यायालय के इनकार के बाद कर्नाटक में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय द्वारा पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के लिए 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और कावेरी जल नियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के आदेश में दखल से इनकार करने के बाद कर्नाटक के कावेरी नदी बेसिन के जिलों में प्रदर्शन शुरू हो गया।

किसानों के संगठन और कन्नड़ समर्थक संगठनों ने अपना रोष जाहिर करने के लिए मैसुरु, मांड्या, बेंगलूरु और अन्य हिस्सों में प्रदर्शन किया और राज्य सरकार से तमिलनाडु के लिए पानी नहीं छोड़ने का अनुरोध किया।

कर्नाटक राज्य रैयत संघ और किसान संगठन हसीरु सेना ने मैसूरु में बसवेश्वर क्षेत्र में प्रदर्शन किया और छोड़ने के लिए पानी कहां है?, हम न्याय की मांग करते हैं, के नारे लगाए।

उन्होंने प्रदर्शन के तहत मैसूरु में कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कार्यालय का घेराव करने की भी योजना बनाई है। एक किसान नेता ने कहा कि कावेरी और काबिनी बेसिन के तालुकाओं को पहले से ही सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीडब्ल्यूएमए का आदेश तमिलनाडु के पक्ष में है क्योंकि इसमें कर्नाटक के जलाशयों के जल स्तर, खड़ी फसलों और पीने के पानी की जरूरतों को ध्यान में नहीं रखा गया है।

कर्नाटक रक्षण वेदिके ने गांधीनगर में प्रदर्शन किया और राज्य सरकार से किसी भी कीमत पर तमिलनाडु को पानी नहीं छोड़ने का अनुरोध किया। वेदिके के प्रमुख टी. ए. नारायण गौड़ा ने इसे कर्नाटक के लिए 'काला दिन' करार देते हुए कहा, उच्चतम न्यायालय ने सीडब्ल्यूएमए के आदेश को बरकरार रखकर हमारे लिए अपने दरवाजे बंद कर लिए हैं। उन्होंने कहा, जमीनी हकीकत को समझे बिना आदेश जारी किए गए हैं, ऐसे में हमें उच्चतम न्यायालय और सीडब्ल्यूएमए के आदेशों की अवहेलना करनी होगी।

हमने (कर्नाटक) कहा है कि हम पानी जारी करने की स्थिति में नहीं हैं, क्योंकि हमारे चार बांधों में यहां तक कि पीने का पानी भी नहीं है और हमने उनसे स्थिति के आकलन के लिए टीम भेजने को कहा है। इसके बावजूद दिल्ली में बैठे सीडब्ल्यूएमए ने आदेश जारी कर दिया जिसे उच्चतम न्यायालय ने भी बरकरार रखा। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौड़ा और वेदिके के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया और पुलिस वाहनों में ले जाया गया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से राज्य के हित में कड़ा फैसला लेने और पानी जारी नहीं करने का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा, 'आदेशों की अवमानना के लिए सभी कार्यकर्ता और लोग उनके साथ जेल जाने के लिए तैयार हैं। सिद्दरामैया को पूर्व मुख्यमंत्री बंगारप्पा की तरह की कदम उठाना चाहिए जो आदेशों के जवाब में एक अध्यादेश लेकर आए थे।'

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व मंत्री आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पर कांग्रेस के राजनीतिक हितों की रक्षा के लिए कर्नाटक के लोगों से विश्वासघात करने का आरोप लगाया। सीडब्ल्यूएमए ने सोमवार को कर्नाटक को तमिलनाडु को 15 और दिनों तक 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना जारी रखने को कहा। एक सप्ताह पहले सीडब्ल्यूआरसी ने भी इसी तरह की सिफारिश की थी।

कावेरी विवाद

सुप्रीम कोर्ट के आदेश वास्तविकता पर आधारित होने चाहिए : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को कहा कि जल विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के आदेशों पर नहीं बल्कि जमीनी हकीकत पर आधारित होना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों की दलीलें सुनने के बाद सीडब्ल्यूएमए के आदेश को बरकरार रखा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कर्नाटक को अगले 15 दिनों के लिए प्राधिकरण के आदेशों का पालन करने का निर्देश दिया गया है।

राज्य सरकार को एक बार फिर कावेरी बेसिन की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करनी चाहिए। सीडब्ल्यूएमए के आदेश अंतिम नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट की ओर से यह कहना सही नहीं है कि उसका इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है। कावेरी बेसिन में बांधों में जल स्टोरेज स्तर के साथ-साथ तमिलनाडु में जल स्तर की गणना करना महत्वपूर्ण था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सीडब्ल्यूएमए ने अपना पहला आदेश सुनाया, तब राज्य को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपील दायर करनी चाहिए थी।

तमिलनाडु को दो बार पानी छोड़ने के बाद ही कर्नाटक ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट पूरी तरह से सीडब्ल्यूएमए पर निर्भर है। सीडब्ल्यूआरसी और सीडब्ल्यूएमए का रवैया ठीक नहीं है। सीडब्ल्यूएमए को जमीनी हकीकत देखनी चाहिए लेकिन वह आंकड़ों के आधार पर आदेश जारी कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार का कहना है कि वह सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी, लेकिन तमिलनाडु पहले ही अवैध रूप से पानी का उपयोग कर चुका है। इसे सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाया जाना चाहिए।

बोम्मई ने कहा कि तमिलनाडु राज्य में वापसी मानसून में बारिश होगी, जबकि कर्नाटक में बारिश का मौसम लगभग समाप्त हो चुका है। इसे शीर्ष अदालत को स्पष्ट किया जाना चाहिए। राज्य सरकार को अब कम से कम पेयजल प्रयोजनों के लिए पानी संरक्षित करने के लिए संघर्ष करना चाहिए। बीजेपी इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहती थी लेकिन हकीकत ये थी कि फसलें सूख रही थी। किसानों को प्रत्येक एकड़ के लिए 25,000 रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

भाजपा-जद (एस) गठबंधन पर चर्चा के लिए दिल्ली पहुँचे कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल एस(जद एस) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन पर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली रवाना हो गए। नयी दिल्ली पहुंचकर वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मुलाकात करेंगे।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि अगर जरूरत हुई तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जद (एस) के प्रमुख व पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा भी बातचीत कर सकते हैं। कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य गौड़ा फिलहाल दिल्ली में हैं। कुमारस्वामी ने नयी दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले कहा, आज शाम एक बैठक है, बैठक का निष्कर्ष सामने आने के बाद कल मैं दिल्ली में संवाददाताओं के साथ खुलकर सब कुछ साझा करूंगा। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि अभी तक दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

उन्होंने कहा, 'न तो हमने अब तक इसके (सीटों के) बारे में सोचा है और न ही उन्होंने (भाजपा) इस संबंध में कोई प्रस्ताव रखा है। शाम को होने वाली बैठक में हम सभी 28 (लोकसभा) सीटों पर मौजूदा स्थिति, पहले के चुनाव में क्या स्थिति थी और 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद क्या स्थिति है, इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या आज गठबंधन को अंतिम रूप दिया जाएगा, तो कुमारस्वामी ने कहा, देखते हैं। यह पूछे जाने पर कि वह दिल्ली में किससे मिलेंगे, तो उन्होंने कहा, अमित शाह (गृह मंत्री) और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे पार्टी के निर्णय लेने वालों के साथ चर्चा जारी है। यदि आवश्यक हुआ तो नरेन्द्र मोदी और देवेगौड़ा बात करेंगे।

टिकट के बदले नकद घोटाला

दो करोड़ की कीमती वस्तुएं, 76 लाख नकद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा विधायक टिकट घोटाले की जांच कर रहे विशेष विंग सीसीबी के अधिकारियों ने इस मामले में दो करोड़ रुपये के कीमती सामान, सोने के आभूषण और 76 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए बताया कि मामले में आरोपी हिंदुत्व कार्यकर्ता चैत्रा कुंदापुरा से दो करोड़ रुपये के कीमती सामान और सोने के आभूषण जब्त किए गए हैं।

वहीं, गिरफ्तार संत अभिनव हलश्री के मठ से 56 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। आगे की जांच करने के बाद संत से जुड़े एक व्यक्ति से 20 लाख रुपये जब्त किए गए। पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है और चार लोगों को पूछताछ के लिए पेश होने का नोटिस जारी किया गया है।

सूत्रों ने कहा कि संत ने कृषि भूमि के लिए पट्टे की राशि के रूप में 20 लाख रुपये का भुगतान किया था और इसे वसूल कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। जांच से पता चला कि आरोपी विलासितापूर्ण जीवन जी रहे थे और उनकी जीवनशैली हाल ही में बदल गई थी। सीसीबी मैसूर के कांग्रेस प्रवक्ता एम. लक्ष्मण को नोटिस जारी करने पर भी विचार कर रही है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें 185 करोड़ रुपये के भाजपा विधायक टिकट घोटाले के बारे में जानकारी मिली थी। उन्होंने दावा किया था कि चैत्रा कुंदापुरा ने 17 टिकट दावेदारों को धोखा दिया है। उसने 23 लोगों को टिकट दिलाए और पैसे कमाए।

उन्होंने कहा था कि चैत्रा कुंदापुरा का भाजपा शीर्ष नेतृत्व से सीधा संबंध है और उन्होंने मांग की थी कि इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा था, 'हम इस संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के पास एक प्रतिनिधिमंडल ले जा रहे हैं और उनसे घोटाले की व्यापक जांच के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया जाएगा।' भाजपा ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव में 72 नए चेहरों को टिकट दिया था और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा।

यह घोटाला तब सामने आया जब एक उद्योगपति गोविंद बाबू पुजारी ने चैत्रा कुंदापुरा और अन्य के खिलाफ विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट का वादा करके पांच करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने की शिकायत दर्ज कराई। सूत्रों के मुताबिक, कुंदापुरा ने घोटाले में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के शामिल होने का दावा किया था। प्रवर्तन निदेशालय को लिखे पत्र में कुंदापुरा ने मांग की थी कि उनके मामले में शिकायतकर्ता उद्योगपति गोविंदा बाबू पुजारी के लेनदेन की जांच धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की जाए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने जांच में सहयोग करने की इच्छा भी व्यक्त की। कुंदापुरा ने हिरासत में रहते हुए मीडिया के सामने यह भी घोषणा की थी कि साधु की गिरफ्तारी के बाद बड़ी मछलियों की संलिप्तता सामने आएगी।

'मौजूदा हालात' कांग्रेस और द्रमुक की मिलीभगत के कारण : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कावेरी मुद्दे को लेकर सिद्दरामैया नीत कांग्रेस सरकार पर 'विफलता' का आरोप लगाते हुए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा और बसवराज बोम्मई ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार से उच्चतम न्यायालय के समक्ष पुनर्विचार याचिका दाखिल करने का आग्रह किया। देश की शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु में पानी छोड़ने के आदेश में हस्तक्षेप करने से आज (बृहस्पतिवार) इनकार कर दिया, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने यह टिप्पणी की।

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) और कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) द्वारा कर्नाटक को पांच हजार क्यूसेक पानी तमिलनाडु को देने के निर्देश में हस्पतक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर हमला बोला। कर्नाटक अपने रुख पर अडिग है कि वह पानी छोड़ने की स्थिति में नहीं है।

दरअसल पर्याप्त मानसूनी बारिश न होने की वजह से पानी की कमी है और पीने के पानी की खुद की जरूरत को पूरा करने व कावेरी नदीघाटी इलाकों में खड़ी फसलों की सिंचाई के लिए पहले से राज्य पानी की कमी से जूझ रहा है।

येडीयुरप्पा ने कहा, हमारे (कर्नाटक) द्वारा मुहैया कराए गए आंकड़ों के आधार पर उच्चतम न्यायालय ने अपना आदेश दिया। कानून व जल संसाधन विभाग प्रभावी रूप से अपना तर्क रखने में पूर्ण रूप से विफल साबित हुए। बृहस्पतिवार को जारी शीर्ष अदालत के आदेश से यह साबित होता है कि सरकार बिना उचित तैयारी किए अदालत गई और उचित दस्तावेज मुहैया कराने में विफल रही।'

उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुद्दे पर केंद्र सरकार को बेवजह घसीटने का प्रयास करने के बजाए राज्य सरकार को तमिलनाडु से बात करनी चाहिए, जहां कांग्रेस की सहयोगी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सत्ता में है। उन्होंने कहा, 'मैं मुख्यमंत्री से उच्चतम न्यायालय के समक्ष अपील दाखिल करने का आग्रह करता हूं ताकि जमीनी हकीकत उनके संज्ञान में लाई जा सके।

बेंगलूरु जैविक उद्यान में 16 हिरणों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान में पेट संबंधी बीमारी और आपसी लड़ाई के कारण 16 हिरणों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हिरणों की मौत होने की यह घटना तेंदुए के सात शावकों की मौत के ठीक बाद हुई। उक्त शावक एक अत्यधिक संक्रामक वायरस - फेलिन पैनेलुकोपेनिया- से संक्रमित थे। अधिकारियों के अनुसार, पिछले महीने बेंगलूरु के सेंट जॉन अस्पताल से 37 चित्तीदार हिरणों को यहां बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान में स्थानांतरित किया गया था। उन्होंने बताया कि इनमें से 16 हिरणों की मौत 'हेमोरेजिक एंटराइटिस और एंडोकार्डिटिस' और आपस में लड़ाई के कारण हो गई।

इन हिरणों की मौत के बाद, कर्नाटक के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे ने गुरुवार को बन्नेरघट्टा जैविक उद्यान का दौरा किया और इसके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्री ने राज्य के सभी चिड़ियाघरों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया और संबंधित अधिकारियों को जंगली जानवरों के संक्रमण को रोकने के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया।

स्कूल की दीवार गिरने से छात्र की मौत

रामनगर। कर्नाटक के रामनगर जिले में सरकारी मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय की दीवार गिरने से 12 साल के एक लड़के की मौत हो गई और दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना गुरुवार सुबह बिदड़ी के पास एच. गोल्लाहल्ली गांव के आवासीय विद्यालय के परिसर में हुई। मृतक छात्र की पहचान कौशिक गौड़ा के रूप में हुई है। छात्र कक्षा 6 में पढ़ता था। छात्र सुबह जब मुंह धो रहा था तभी दीवार उसके ऊपर गिर गई। घटना में पीड़ित के सिर पर गंभीर चोटें आईं। छात्र को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल लेकर जाया गया, लेकिन खून ज्यादा बहने से उसकी मौत हो गई। दो अन्य बच्चों को भी गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज बेंगलूरु के अस्पताल में चल रहा है। मृतक के माता-पिता और परिवार ने बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में अधिकारियों द्वारा दिखाई गई लापरवाही की निंदा की है।

क्या चंद्रयान-3 के लैंडर और रोवर सक्रिय होंगे? इसरो फिर से संपर्क स्थापित करने की कोशिश करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रमा पर सुबह होने के साथ ही अब अपने 'चंद्र मिशन चंद्रयान-3' के सौर ऊर्जा से संचालित लैंडर 'विक्रम' और 'रोवर प्रज्ञान' के साथ संपर्क स्थापित कर इन्हें फिर से सक्रिय करने का प्रयास कर रहा है ताकि वे वैज्ञानिक प्रयासों को जारी रख सकें। चंद्रमा पर रात होने से पहले, लैंडर और रोवर दोनों इस महीने की शुरुआत में क्रमशः चार और दो सितंबर को सुप्तावस्था या निष्क्रय अवस्था (स्लीप मोड) में चले गये थे।

इसरो यदि चंद्रमा पर सूर्योदय होते ही लैंडर और रोवर को फिर से सक्रिय कर देता है तो चंद्रयान-3 के पेलोड द्वारा एक बार फिर से प्रयोग किये जा सकेंगे। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र, जहां लैंडर और रोवर दोनों स्थित हैं, पर सूर्य की रोशनी फिर से आने और उनके सौर पैनल के जल्द ही चार्ज होने की उम्मीद है। इसरो अब लैंडर और रोवर के साथ फिर से संपर्क स्थापित करने और इन्हें सक्रिय करने का प्रयास कर रहा है।

इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक नीलेश देसाई ने पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने लैंडर और रोवर दोनों को 'स्लीप मोड' पर डाल दिया है क्योंकि तापमान शून्य से 120-200 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला जायेगा। बीस सितंबर से चंद्रमा पर सूर्योदय हो रहा होगा और हमें उम्मीद है कि 22 सितंबर तक सौर पैनल और अन्य उपकरण पूरी तरह से चार्ज हो जाएंगे, इसलिए हम लैंडर और रोवर दोनों को सक्रिय करने की कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा, यदि हमारी किस्मत अच्छी रही, तो हमारे लैंडर और रोवर दोनों सक्रिय हो जाएंगे और हमें कुछ और प्रायोगिक डेटा मिलेंगे, जो चंद्रमा की सतह की आगे की जांच के लिए हमारे लिए उपयोगी होंगे।

हम 22 सितंबर से होने वाली गतिविधि का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हम लैंडर और रोवर दोनों को सक्रिय करने और कुछ और उपयोगी डेटा प्राप्त करने की उम्मीद कर रहे हैं। चंद्रमा पर उतरने के बाद, लैंडर और रोवर और पेलोड ने एक के बाद एक प्रयोग किए ताकि उन्हें 14 पृथ्वी दिन (एक चंद्र दिवस) के भीतर पूरा किया जा सके, चंद्रमा पर एक दिन पृथ्वी के 14 दिन के बराबर होता है।

लैंडर और रोवर का कुल वजन 1,752 किलोग्राम है और इन्हें वहां के परिवेश का अध्ययन करने के लिए एक चंद्र दिन की अवधि (लगभग 14 पृथ्वी दिवस) तक संचालित करने के लिए तैयार किया गया था।

राज्यपाल ने न्यायाधीशों को शपथ दिलाई

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने गुरुवार को राजभवन में कर्नाटक उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों को शपथ दिलाई। अनंत रामनाथ हेगड़े, सुश्री कन्नन कुइल श्रीधरन हेमलेखा ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के नए न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। न्यायाधीश सिद्दैया रचैया ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पद की शपथ ली। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने गुरुवार शाम राजभवन के बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक सादे समारोह में न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी. वराले सहित कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, परिवार के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

सरकार ने उच्च न्यायालय के लिए दस मंजिला इमारत का प्रस्ताव रखा

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने उच्च न्यायालय के विस्तार के लिए 10 मंजिला इमारत का प्रस्ताव रखा है।

उच्च न्यायालय ने 14 अगस्त, 2023 को निर्देश दिया था कि तीन प्रस्ताव मुख्यमंत्री को सौंपे जाएं और मुख्यमंत्री उनकी समीक्षा करके निर्णय करेंगे कि किस प्रस्ताव को लागू किया जाएगा। दो जनहित याचिकाओं में उच्च न्यायालय की वर्तमान इमारत के बेसमेंट में स्थित कार्यालयों को स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है।

इस बयान को एक हलफनामे के रूप में दर्ज करते हुए, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी. वराले और न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित की खंडपीठ ने जनहित याचिकाओं की सुनवाई चार सप्ताह के लिए स्थगित कर दी।

INTERNATIONAL FINANCIAL SERVICES CENTRES AUTHORITY
अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण
(आर्थिक मामलों का विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार)
दूसरी और तीसरी मंजिल, प्रज्ञा टॉवर, जीआईएफटी सिटी, गांधीनगर, गुजरात
सत्यमेव जयते

एफ.नं. 1055/आईएफएससीए/जीएडी/एचआर/आरईसी./2023-24 13 सितंबर, 2023

रिक्ति अधिसूचना

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के तहत एक वैधानिक एकीकृत नियामक निकाय है, जो भारत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों में वित्तीय उत्पादों, वित्तीय सेवाओं और वित्तीय संस्थानों को विकसित और विनियमित करने के लिए संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया है।

प्राधिकरण सीधी भर्ती के आधार पर निम्नलिखित पदों को भरने के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है। पोस्टिंग का स्थान जीआईएफटी सिटी, गांधीनगर, गुजरात है।

क्र.सं.	पद का नाम	स्ट्रीम	पद	वेतनमान
1.	कार्यकारी निदेशक	सिक्योरिटी मार्केट	01	रु. 204000-6000 (2) - रु. 216000
2.	मुख्य महाप्रबंधक (ग्रेड एफ)	जोखिम प्रबंधन	01	रु. 165900 - 5000 (4) - रु. 185900 (5 साल)
3.	कुल पदों की संख्या		02	

2. उपर्युक्त पदों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे विस्तृत रिक्ति अधिसूचना, सेवा लाभ और आयु, योग्यता और अनुभव आदि के संदर्भ में पात्रता मानदंड के लिए www.ifsca.gov.in देखें। आवश्यक दस्तावेजों के साथ डाक द्वारा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 09.10.2023 शाम 6.00 बजे तक है।

महाप्रबंधक
सामान्य प्रशासन विभाग

cbc 15228/12/0001/2324

गहलोत ने जयपुर मेट्रो के प्रथम चरण-सी सहित 1410 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरुवार को जयपुर में महत्वपूर्ण मेट्रो परियोजना के 980 करोड़ रुपये लागत के प्रथम चरण-सी का शिलान्यास तथा जेडीए के लगभग 430 करोड़ रुपये लागत के नौ विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। गहलोत ने इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा राज्य सरकार जयपुर सहित पूरे प्रदेश के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी सहित सभी क्षेत्रों में राजस्थान एक मॉडल स्टेट बनकर उभरा है और देशभर में राजस्थान के विकास कार्यों की चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए मिशन-2030 के तहत विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। जिसके लिए अब तक दो करोड़ से अधिक लोगों से सुझाव लिए जा चुके हैं।

उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस विजन डॉक्यूमेंट को तैयार करने में अपनी भागीदारी निभाते हुए सुझाव दें। मुख्यमंत्री ने रामनगर मेट्रो स्टेशन से बड़ी चौपड तक मेट्रो से यात्रा भी की। उन्होंने कहा कि मेट्रो के सफर का अपना अलग आनंद है। उन्होंने बड़ी चौपड़ मेट्रो स्टेशन पर जयपुर मेट्रो

के अब तक के कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर सात स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों का अनावरण किया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान गहलोत ने राजीव आवासीय योजना बगराना के आवास धारकों को पट्टा वितरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं रखी है। राज्य में हुए बेमिसाल कार्यों का दूसरे राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं और राजनीतिक दल इन्हें अपने मेनिफेस्टो में शामिल कर रहे हैं। राजस्थान में राइट टू हैल्थ, किसानों की जमीन को कुर्की से रोकने, गिग वर्कर्स के कल्याण, न्यूनतम आय गारंटी से संबंधित कानून बनाए गए हैं जो देश में अन्यत्र कहीं नहीं हैं। राज्य में पेपरलीक पर आजीवन कारावास का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि कोटा में चंबल रिवर फ्रंट का अद्भुत कार्य हुआ है वहीं जयपुर में भी विकास के कई कार्य हुए हैं। कोटा शहर की तर्ज पर अब जयपुर को भी सिग्नल फ्री करने पर काम चल रहा है। हमारी सोच 2030 तक पूरे प्रदेश को ट्रैफिक लाइट मुक्त करने की है।

गहलोत ने कहा कि यह पहली बार है जब राज्य के हर व्यक्ति को योजनाओं का कुछ न कुछ लाभ जरूर मिला है। राज्य सरकार ने महंगाई राहत शिविर लगाकर 10 जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन को राहत प्रदान की। राज्य में 500 रुपए में गैस सिलेण्डर दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार को भी देशभर में 500 रुपए में गैस सिलेण्डर उपलब्ध करवाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना से प्रदेश में अब शहरी क्षेत्रों में भी लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। लंपी रोग से मृत गायों के लिए पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही कामधेनु पशु बीमा योजना के माध्यम से अब राज्य सरकार द्वारा प्रति परिवार दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रुपए का निःशुल्क बीमा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कुशल वित्तीय प्रबंधन से राजस्थान आर्थिक विकास दर में उत्तर भारत में प्रथम स्थान पर तथा देश में दूसरे स्थान पर है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक राज्य की जीडीपी 15 लाख करोड़ हो जाएगी जबकि 2030 तक इसे 30 लाख करोड़ से अधिक ले जाने का हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। इससे आने वाले समय में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में जिलों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। इससे लोगों की प्रशासन तक पहुंच आसान होगी।

पुलिस ने तस्करों की 12 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने प्रतापगढ़ जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार तस्करों की लगभग 12 करोड़ रुपए मूल्य की चल एवं अचल संपत्ति जब्त (फ्रीज एवं सीज) की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार राज्य में हाल ही के वर्षों में यह अपनी तरह की सबसे बड़ी कार्रवाई है।

राज्य के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने इस कार्रवाई के लिए प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी है तथा प्रशंसा पत्र देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68 एफ के तहत 'फ्रीजिंग' की यह पहली बड़ी कार्रवाई है। कुख्यात तस्कर कमल राणा, कमलेश बैरागी, शैलेंद्र बैरागी और विष्णु बैरागी की मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित करीब 12 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति जप्त की गई है।

मिश्रा ने एक बयान में बताया कि राजस्थान में पहली बार तस्करों को शरण देने व वित्तीय सहयोग करने वालों के खिलाफ भी प्रतापगढ़ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 27 ए, 28, 29, 30 के तहत बिना किसी जब्ती का थाना छोटी सादड़ी पर मुकदमा दर्ज कर 23 आरोपियों को नामजद कर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

राजस्व मंत्री जाट सहित पांच लोगों के खिलाफ अदालती आदेश पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में ग्रेनाइट की खान पर कब्जा करने और वहां से मशीनरी की चोरी के आरोप में राज्य के राजस्व मंत्री रामलाल जाट सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मामले में उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद इस बारे में करेड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया। आसींद के पुलिस उपाधीक्षक योगेश शर्मा ने बताया,अदालत के आदेश के बाद करेड़ा पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जो भी आरोप लगाए गए हैं उनकी जांच अपराध अन्वेषण शाखा (क्राइम ब्रांच) द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि चूंकि यह मामला एक मंत्री से जुड़ा है इसलिए इसकी जांच सीआईडी-सीबी से करायी जायेगी। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता परमेश्वर जोशी ने पहले एक स्थानीय अदालत में याचिका दायर की थी, लेकिन जब पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कार्रवाई नहीं की तो उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया, जहां से शिकायत पर मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

स्वागत

जोधपुर में गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री द्वारा स्वागत किया गया।

डेढ़ किलो अफीम के साथ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की अपराध अन्वेषण शाखा ने जयपुर में तीन बदमाशों के पास से उच्च गुणवत्ता की डेढ़ किलोग्राम से ज्यादा अफीम बरामद की है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इस अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब आठ लाख रुपये है और गिरफ्तार किए गए आरोपी फर्जी पुलिसकर्मी बन लोगों को धमका कर वसूली भी किया करते थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन ने बताया कि यह कार्रवाई बृहस्पतिवार को जयपुर के करधनी थाना क्षेत्र में की गई।

उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान सुभाष जाट, जयपाल सेपट उर्फ जेपी और बाबूलाल के तौर पर हुई है और वे करधनी थाना क्षेत्र के गोविंदपुरा इलाके में किराए के मकान में रहते हैं। दिनेश ने बताया कि सूचना मिली थी कि करधनी इलाके में कुछ लड़के अपने आप को पुलिस कर्मी बताकर लोगों को धमकाते हैं और उगाही करते हैं। उन्होंने बताया, पुलिस के दो दलों ने बृहस्पतिवार को बदमाशों की कार को घेर लिया। कार सवार तीन युवकों से पूछताछ की तो वे घबरा गए और अलग-अलग नाम-पता बताने लगे।

सख्ती से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना नाम सुभाष जाट, जयपाल सैपट उर्फ जेपी और बाबूलाल बताया। अधिकारी ने बताया, कार की तलाशी में डैशबोर्ड से एक किलो 640 ग्राम अफीम मिली। उन्होंने बताया कि तीनों के खिलाफ करधनी थाने में मादक पदार्थ संबंधी एनडीपीएस कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

छठे राज्य वित्त आयोग की रिपोर्ट राज्यपाल को पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। छठे राज्य वित्त आयोग का अंतिम प्रतिवेदन बृहस्पतिवार को यहां राज्यपाल कलराज मिश्र को पेश किया गया।

आधिकारिक बयान के अनुसार राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह के नेतृत्व में वित्त आयोग के सदस्य अशोक लाहोटी, सदस्य सचिव एस. सी. देराश्री, संयुक्त सचिव राजेश गुप्ता एवं सलाहकार शांतिलाल जैन ने राज्यपाल को वित्त आयोग की हस्ताक्षरित प्रति सौंपी। ट्टण

इस आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 243 के अंतर्गत 12 अप्रैल 2021 को किया गया था। इसमें पंचायती राज संस्थाओं, शहरी निकायों को संविधान और पंचायती राज तथा राजस्थान नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत सौंपे गए मूलभूत कार्यों के संपादन के लिए राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता और इनके कार्यकलापों में सुधार लाने की सिफारिशों की व्यवस्था रहती है।

राजस्थान के झुंझुनूं की दो लड़कियां फुटबॉल टूर पर जाएगी इंग्लैंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऑस्कर फाउंडेशन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राजस्थान के झुंझुनूं की दो लड़कियां ज्योति और अमन आगामी एक अक्टूबर को पन्द्रह दिवसीय दौरे पर इंग्लैंड जायेगी। स्पोर्ट्स फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी) की अवधारणा पर कार्यरत मुंबई स्थित ऑस्कर फाउंडेशन ने वंचित वर्ग बच्चों के लिए इंग्लैंड के चौथे दौरे की घोषणा की जिसमें इन दो लड़कियों के अलावा मुंबई के 10 लड़के एवं लड़कियां और कर्नाटक में यादगीर के आस-पास के गांवों के चार बच्चों को शामिल किया गया है जिन्हें यूनाइटेड किंगडम फुटबॉल टूर पर भेजा जा रहा है। ये बच्चे भ्रमण के दौरान यूरोपीय स्कूली छात्रों के साथ मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच खेलेंगे।

ऑस्कर फाउंडेशन के संस्थापक अशोक राठौड़ के अनुसार ऑस्कर फाउंडेशन बच्चों को स्कूल में रह कर पढ़ाई जारी रखने को प्रोत्साहित करने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने के लिए फुटबॉल को एक प्रेरणादायी टूल के रूप में उपयोग कर रहा है। फुटबॉल और जीवन कौशल, शिक्षा और यूथ लीडरशिप प्रोग्राम के माध्यम से फाउंडेशन वर्ष 2010 से अब तक भारत में आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों के 15 हजार बच्चों और युवाओं को सशक्त बनने में सहायता कर चुका है।

14 साल की ज्योति 10वीं कक्षा की छात्रा है जो सिविल सेवा में जाना चाहती है। उनके पिता एक टीवी इलेक्ट्रीशियन हैं जबकि उनकी मां घर पर रहती हैं। ज्योति झुंझुनूं जिले के अपने गांव में आठ लोगों के परिवार के साथ रहती है। ज्योति एक सेंटर मिडफील्डर है, जो पूर्ण उत्साह से फुटबॉल खेलती है। वह अपने गांव से विदेश जाने वाली पहली लड़की होंगी। ज्योति को आशा है कि उसे यूनाइटेड किंगडम में संस्कृति, शिक्षा और खेल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी जिसे वह वापस आकर अपने परिवार और दोस्तों के साथ अवश्य साझा करेगी।

11वीं कक्षा में पढ़ने वाली अमन फुटबाल मैदान पर फॉरवर्ड के रूप में अपनी टीम के लिए खेलती है। उसका खेल फुटबॉल के लिए उसके समर्पण को प्रदर्शित करता है। अमन एक दिन भारतीय महिला फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करने की महत्वाकांक्षा रखती है और उसके लिए जी जान से मेहनत कर रही है। अमन यूनाइटेड किंगडम की अपनी आगामी यात्रा को लेकर बहुत उत्साहित है क्योंकि यह किसी विदेशी देश की उसकी पहली यात्रा होगी और वह पहली बार विमान में उड़ान भरेगी।

चौटाला परिवार राजस्थान में फिर तलाश रहा है सियासी धरातल

बालमुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

सीकर। हरियाणा का चौटाला परिवार राजस्थान में एक बार फिर सियासी धरातल तलाशने लगा है और इसके लिए उनकी पार्टी जननायक जनता पार्टी (जजपा) प्रदेश में सक्रिय हो गई हैं। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव में चौटाला परिवार की जजपा को सत्ता पावर का हिस्सा बनाने के लिए हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला और उनके भाई दिग्विजय सिंह चौटाला उन क्षेत्रों में सक्रिय हुए हैं जहां जजपा के लिए संभावना है। इसमें एक बार फिर सीकर को केंद्र बनाया गया है और 25 सितंबर को जजपा एक बड़ी रैली का आयोजन करेगी। इसके पूर्व 90 के दशक में किसान नेता चौधरी देवीलाल ने सीकर को देश की सियासत का प्रमुख केंद्र बना दिया था।

पंजाब में चुनाव में न होने के कारण तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभाध्यक्ष डॉ. बलराम जाखड़ वर्ष 1984 में सीकर लोकसभा से चुनाव लड़ने आए थे और अपनी वाकपटुता से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी और फिर से लोकसभाध्यक्ष बने थे। जाखड़ की चुनाव लड़ने की शैली से यहां हर कोई मोहित हो गया लेकिन एक सियासी घटनाक्रम के बीच में हरियाणा के कद्दावर नेता चौधरी देवीलाल ने अपने साले जाखड़ को उन्हीं की कर्मस्थली सीकर में चुनौती देते हुए उनके सामने चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। चुनाव दंगल में रिश्ते में जीजा-साले के आमने सामने खड़े होने से सीकर संसदीय क्षेत्र हॉट सीट में शुमार हो गया।

इस चुनावी दंगल में चौधरी देवीलाल ने डॉ.जाखड़ को हरा दिया। किसानों के मसीहा बन चुके चौधरी देवीलाल उस समय सीकर के अलावा हरियाणा के रोहतक लोकसभा से भी निर्वाचित हुए थे लेकिन उन्होंने वहां से इस्तीफा देकर सीकर का प्रतिनिधित्व किया और देश के उप प्रधानमंत्री बने। देवी लाल के पौत्र और जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अजय सिंह चौटाला ने भी दांतारामगढ़ विधानसभा से चुनाव लड़कर कांग्रेस के दिग्गज चौधरी नारायण सिंह को हराया था।

उस दशक में शेखावाटी इलाके में पड़ोसी राज्य हरियाणा और पंजाब की राजनीति पूरी तरह हावी हो गई थी। हालांकि यह दौर लंबा नहीं चला और मात्र 30 माह में ही हरियाणा राजनीति विदा हो गई लेकिन डॉ.जाखड़ के सक्रिय रहने से पंजाब के नेताओं का आना-जाना जारी रहा। डॉ जाखड़ फिर चुनाव जीते और देश के कृषि मंत्री भी बने। तब ताऊ का कुनबा अपने राज्य में वापस जा चुका था। तीन दशक बाद चौटाला परिवार एक बार फिर राजस्थान आया है। इस बार वो किसी को चुनौती देने नहीं बल्कि चुनाव लड़कर सत्ता में भागीदारी बढ़ाना चाहता है।

हरियाणा में भाजपा के साथ गठबंधन के बाद यह परिवार अपनी पार्टी को राजस्थान में स्थापित करना चाहते हैं पर यहां बड़ा सवाल यह है,भाजपा हरियाणा की तर्ज पर यहां गठबंधन करेगी या फिर चौटाला खानदान को अपने दम पर चुनाव लड़ना पड़ेगा। राजनीति टीकाकारों का मत है कि गठबंधन होने पर ही जजपा की मौजूदगी मुकाबला देगी।

राजस्थान में पहली बार विधानसभा चुनावों में 'होम वोटिंग' की सुविधा : निर्वाचन अधिकारी

जयपुर। राजस्थान में पहली बार विधानसभा चुनाव में 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए 'होम वोटिंग' की पहल की गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि इन चुनावों में पात्र 18.05 लाख मतदाताओं को विकल्प के तौर पर ये सुविधा मिल सकेगी। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने बताया कि समावेशी चुनाव की दिशा में आयोग ने यह नवाचार किया है, इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर 'होम वोटिंग' की सुविधा के लिए योग्य मतदाताओं को इसके संबंध में जानकारी उपलब्ध करायी जा रही है।

गुप्ता ने बताया कि यह सुविधा विकल्प के रूप में है, योग्य मतदाता यदि इस सुविधा का चयन करना चाहते हैं तो उन्हें चुनाव अधिसूचना जारी होने के पांच दिन के भीतर बीएलओ द्वारा दिए गए 12-डी फॉर्म को भरकर देना होगा।

जयपुर में कल जनसभा को संबोधित करेंगे खरगे एवं राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को जयपुर आएंगे और दोनों नेता यहां कांग्रेस कमेटी के नए कार्यालय भवन का शिलान्यास करने के साथ-साथ जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को प्रस्तावित स्थलों का दौरा किया और तैयारियों का जायजा लिया। गहलोत ने ट्वीट किया, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए कार्यालय का शिलान्यास करने एवं जनसभा के लिए 23 सितंबर को जयपुर आयेंगे। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील भी की। उल्लेखनीय है कि राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

उत्तर प्रदेश में छह-सात साल में पैदा हुए निवेश के अवसरः राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले छह-सात वर्षों में उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसर पैदा हुए हैं और इसके बुनियादी ढांचे में भी सुधार हुआ है।

राष्ट्रपति ने गौतम बुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा में आयोजित 'उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी' के उद्घाटन कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस व्यापार प्रदर्शनी के जरिये उत्तर प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की कोशिश की गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में राष्ट्रपति ने कहा, ''पिछले छह से सात वर्षों में उत्तर प्रदेश में निवेश के अवसर पैदा हुए हैं और बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है। उत्तर प्रदेश देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।''

मुर्मू ने कहा, ''भारत इस समय दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही यह तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश का बड़ा योगदान रहने वाला है।'' उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी के पहले संस्करण का उद्घाटन करने के बाद राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे यहां आकर और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी के प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए खुशी हो रही है। उत्तर प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में लाने की कोशिशों की काफी तारीफ की जाती है।''

इस पांच-दिन की प्रदर्शनी में 2,000 से अधिक कारोबारी अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। इसमें विभिन्न देशों के मेहमान, उद्यमी और निर्यातक भी शिरकत करेंगे।

'अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों से दुनिया में भारत का कद बढ़ा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सभी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के साथ-साथ देशवासियों को बृहस्पतिवार को बधाई दी और कहा कि इन उपलब्धियों से वैश्विक स्तर पर हमारे देश का कद बढ़ा है।

बिरला ने कहा, ''अंतरिक्ष के क्षेत्र में हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए पूरे देश को बधाई देते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। इन उपलब्धियों से प्रत्येक भारतीय गौरवान्वित हुआ है और वैश्विक स्तर पर हमारे देश का कद बढ़ा है।'' बिरला ने कहा, ''तेईस अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बनकर हमने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। चंद्रयान-3 की मिशन की सफलता हमारे वैज्ञानिकों की अथक प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो निरंतर ब्रह्मांड के सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचने का प्रयास करते आए हैं। इस सदन के माध्यम से मैं इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए इसरो के सभी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों और भारत के लोगों को बधाई देता हूं।'' उन्होंने कहा, ''भारत विश्व कल्याण के लिए अपनी सफलताओं और उपलब्धियों को दूसरों के साथ साझा करने में विश्वास रखता है। इसलिए हमने चंद्रयान तीन की सफलता को विश्व के वैज्ञानिक समुदाय और पूरी मानवता को समर्पित किया है।'' उन्होंने प्रज्ञान रोवर द्वारा चंद्रमा पर सल्फर, ऑक्सीजन, अल्युमिनियम, कैल्शियम और आयरन जैसे तत्वों की मौजूदगी सहित अन्य अमूल्य जानकारी भेजने का जिक्र करते हुए कहा कि इससे अंतरिक्ष के बारे में मानव ज्ञान में वृद्धि होगी और भावी अभूतपूर्व खोजों का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा, ''मैं चंद्रमा पर चंद्रयान-2 के पदचिह्नों 'तिरंगा प्वाइंट' और चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल को 'शिवशक्ति प्वाइंट' का नाम दिये जाने का भी स्वागत करता हूं। ये नाम हमारी सदियों पुरानी विरासत के साथ हमारी वैज्ञानिक महत्वाकांक्षाओं और प्रयासों के प्रतीक हैं।'' चंद्रयान-3 और आदित्य-एल1 मिशन में बड़ी संख्या में महिला वैज्ञानिकों के योगदान को रेखांकित करते हुए बिरला ने कहा कि इससे नये भारत में महिलाओं के योगदान का पता चलता है।

आधुनिक माध्यमों का इस्तेमाल नीतियों-नेतृत्व की बेहतर 'ब्रांडिग' में कर रहे हैं राजनीतिक दलः नकवी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बृस्पतिवार को कहा कि राजनीतिक दल अपनी नीतियों और नेतृत्व की बेहतर 'ब्रांडिंग' के लिए आधुनिक प्रचार माध्यमों का इस्तेमाल कर रहे हैं। नकवी ने यहां एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि भारत में सैकड़ों व्यापारिक घरानों के साथ ही 6 राष्ट्रीय राजनीतिक दल, 54 क्षेत्रीय पार्टियां और 2597 पंजीकृत दल भी कॉर्पोरेट जगत की तरह आज के डिजिटल युग में पेशेवर प्रचार-प्रसार की ओर आकर्षित हैं। उनका कहना था, ''आज बड़े-छोटे-मंझोले सभी राजनीतिक दल पेशेवर विज्ञापन और जनसंपर्क के आधुनिक माध्यमों, तकनीकों का इस्तेमाल अपनी नीतियों -नेतृत्व की बेहतर ब्रांडिंग में कर रहे हैं।'' नकवी ने कहा, ''भारत और विश्व में प्रभावशाली चुनाव अभियानों और नारों का परिणाम पर बड़ा असर देखा गया है। 'अबकी बार मोदी सरकार', 'न जात पे ना पात पे मुहर लगाओ हाथ पे', 'सबको देखा बारी बारी अबकी बारी अटल बिहारी' या अमेरिका में चुनावी नारा 'यस वी कैन'(बराक ओबामा) आदि नारे परिवर्तनकारी साबित हुए।''

बीजद महिला आरक्षण विधेयक का पुरजोर समर्थन करता हैः पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी संसद में पेश महिला आरक्षण विधेयक का पुरजोर समर्थन करती है।

पटनायक ने यहां पत्रकारों से कहा, ''जैसा कि आप जानते हैं, मेरी पार्टी ने हमेशा विधानसभा और अन्य जगहों पर महिला आरक्षण विधेयक को बढ़ावा दिया है। मुझे उम्मीद है कि यह शीघ्र ही पारित हो जायेगा।'' इससे पूर्व बीजद ने राज्यसभा के अपने सांसदों को सदन में उपस्थित रहने और विधेयक के पारित होने का समर्थन करने के लिए तीन पंक्ति का व्हिप जारी किया था। लोकसभा एवं विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान वाला 128वां संविधान संशोधन विधेयक आज राज्यसभा में चर्चा एवं पारित किये जाने के लिए पेश किया गया। देश की राजनीति पर व्यापक असर डालने की क्षमता वाले इस विधेयक को बुधवार को लोकसभा से मंजूरी मिल गई थी। संसद से पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के नाम से जाना जाएगा।

सोनिया गांधी के खिलाफ 'नफरती भाषण' को लेकर असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस की असम इकाई के वरिष्ठ नेता देबब्रत सैकिया ने पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ कथित तौर पर 'नफरती भाषण' देने को लेकर मुख्यमत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता सैकिया ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख सदस्य कमलनाथ पर उनकी हिंदू पहचान को लेकर तंज कसते हुए शर्मा ने कहा था कि 10 जनपथ को जला देना चाहिए। 10 जनपथ सोनिया गांधी का आवास है। शर्मा ने 18 सितंबर को मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में रैली में दिये भाषण में कथित तौर पर यह कहा था।

प्रधानमंत्री मोदी कल करेंगे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के बाद अब वाराणसी में बनने जा रहे नए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भी भगवान शिव और काशी की झलक देखने को मिलेगी जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को करेंगे। राज्य सरकार के आधिकारिक बयान के अनुसार पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को प्रधानमंत्री मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सौगात देने 23 सितम्बर को काशी आ रहे हैं।

इस शिलान्यास समारोह में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के आने की संभावना है। पूर्वांचल के क्रिकेट प्रेमियों को अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच देखने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। 451 करोड़ रूपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनने से मैच देखने के साथ ही, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आधारभूत ढांचा भी तैयार होगा।

एक सरकारी बयान के मुताबिक इस परियोजना में उत्तर प्रदेश सरकार ने जमीन अधिग्रहण पर 121 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) 330 करोड़ रुपये खर्च करके स्टेडियम का निर्माण कराएगा।

वाराणसी के राजातालाब इलाके के गंजारी गांव में रिंग रोड के पास यह स्टेडियम लगभग 30 महीनों में बनकर तैयार हो जाएगा।

बीसीसीआई के अहम अधिकारी भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे जिसमें अध्क्ष रोजर बिन्नी, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और सचिव जय शाह शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भी दिखेगी भगवान शिव और काशी की झलक

वाराणसी/भाषा। रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के बाद अब वाराणसी में बनने जा रहे नए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भी भगवान शिव और काशी की झलक देखने को मिलेगी जिसके शिलान्यास में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के आने की संभावना है। पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की सौगात देने 23 सितम्बर को काशी आ रहे हैं। पूर्वांचल के क्रिकेट प्रेमियों को अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच देखने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। 451 करोड़ रूपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनने से मैच देखने के साथ ही, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आधारभूत ढांचा भी तैयार होगा। एक सरकारी बयान के मुताबिक इस परियोजना में उत्तर प्रदेश सरकार ने जमीन अधिग्रहण पर 121 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) 330 करोड़ रुपये खर्च करके स्टेडियम का निर्माण कराएगा।

पुलिस हिरासत से तीन फरार, आठ पुलिसकर्मी निलंबित

झांसी (उप्र)/भाषा। ट्रेनों में चोरी के मामले में पकड़े गए तीन लोग रेलवे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए जाने से पहले ही पुलिस वाहन से फरार हो गए। इसके बाद आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया । पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हिरासत से भागे तीनों आरोपियों को पकड़ने के लिये पुलिस दल का गठन किया गया है । उन्होंने बताया कि मामले में पुलिस अधीक्षक राजेश एस ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन उप निरीक्षकों समेत कुल आठ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मंगलवार को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने ट्रेनों में चोरी की वारदात को अंजाम देने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया इन लोगों को रेलवे मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के लिए ले जाया जा रहा था, तभी यह घटना हुई।

संविधान को इतनी आसानी से नहीं संशोधित किया जा सकता : अब्दुल्ला

हंदवाड़ा/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि संविधान के साथ खिलवाड़ करने का कोई भी प्रयास देश के लिए अच्छा नहीं होगा क्योंकि इसमें इतनी आसानी से संशोधन नहीं किया जा सकता है। उनकी टिप्पणी एक पत्रकार के उस सवाल के जवाब में आई जिसमें कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द हटा दिए गए हैं। उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके में अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा, ''संविधान को आसानी से नहीं बदला जा सकता। संविधान को बदलने के लिए, आपको दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। जहां तक मेरी जानकारी है, ऐसे शब्दों को हटाने के लिए न तो लोकसभा में और न ही राज्यसभा में कोई मतदान हुआ है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने वहां कुलियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। वहीं सांकेतिक रूप में उन्होंने सूटकेस उठाकर कुलियों के साथ थोड़ी दूर चले।

राजस्व मंत्री प्रमिला मलिक ने इस्तीफा दिया, ओडिशा की पहली महिला विस अध्यक्ष बनना तय

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री प्रमिला मलिक ने बृहस्पतिवार को नवीन पटनायक मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों ने बताया कि छह बार की विधायक मलिक ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंपा और पटनायक ने इस्तीफा राज्यपाल के पास भेज दिया। मलिक के इस्तीफा देने के बाद नवीन पटनायक मंत्रिमंडल में अब मुख्यमंत्री समेत 20 मंत्री हैं। सूत्रों ने बताया कि मलिक ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर सकती हैं।

इस बीच, स्कूल और जन शिक्षा मंत्री सुदाम मरांडी को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मरांडी को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन का अहम विभाग इसलिए दिया गया है क्योंकि वह 2019 से 2022 तक मंत्री के रूप में तीन साल तक इसी विभाग में काम कर चुके हैं। पिछले मंत्रिमंडल फेरबदल में बिक्रम केशरी अरुखा को वित्त मंत्री बनाए जाने के बाद ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष का पद खाली है। मलिक का ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है क्योंकि 147 सदस्यीय सदन में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के 113 सदस्य हैं। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के 22 और कांग्रेस के नौ विधायक हैं। एक निर्दलीय और एक मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का विधायक है।

अगर ओबीसी वर्ग के हक को छीनेंगे तो यह वर्ग ईंट से ईंट बजा देगा : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को चेतावनी दी कि अगर अन्य पिछड़े वर्ग का हक वे छीनेंगे तो यह वर्ग ईंट से ईंट बजा देगा । राजद नेता ने महिला आरक्षण विधेयक लाने में नरेंद्र मोदी सरकार की मंशा पर भी सवाल उठाया, जिसमें कहा गया है कि महिलाओं के लिए आरक्षण, जनगणना के पश्चात नए सिरे से परिसीमन के बाद ही लागू किया जाएगा।

तेजस्वी ने पीटीआई-वीडियो से बातचीत में कहा, ''ओबीसी कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत है। मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि यदि उनके हिस्से का उल्लंघन करने का कोई प्रयास किया जाता है, तो वे जानते हैं कि इस पर दावा कैसे करना है। उन्होंने केंद्र में सत्तासीन भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, यह लोग हमेशा से पिछड़ा (पिछड़ा वर्ग) विरोधी रहे हैं और उनकी मानसिकता महिला आरक्षण विधेयक में झलक रही है। आखिर क्या वजह है कि इन्होंने पिछड़ा, अति पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के लिए इस बिल में प्रावधान नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस बिल के माध्यम इन समुदाय के लोगों को पूरी तरह से छलने का काम किया गया है। उन्होंने कहा, ''इसलिए मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं की ओबीसी वर्ग एक लड़ाकू (जागरूक) वर्ग है, अगर ओबीसी वर्ग के हक को छीनेंगे तो यह वर्ग ईंट से ईंट बजा देगा। बुधवार को लोकसभा में विधेयक पारित होने पर कांग्रेस और जद (यू) दोनों ने कमजोर वर्गों की महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग पर सहमति जताते हुए विधेयक के पक्ष में मतदान किया था।

वित्तीय संकट पर बोलने के बाद नागल को मिला डीएलटीए, पेप्सिको इंडिया से सहयोग

नई दिल्ली/भाषा। सुमित नागल के पीटीआई को दिये साक्षात्कार में वित्तीय संकट की बात साझा करने के बाद भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी को सहयोग मिलना शुरु हो गया है और एक शीर्ष पेय पदार्थ कंपनी 'पेप्सिको इंडिया' और दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) उनकी मदद को सामने आये हैं। डीएलटीए ने पांच लाख रूपये का एक मुश्त सहयोग करने का फैसला किया है जबकि पेप्सिको इंडिया ने तीन साल तक नागल की मदद करने का वादा किया है।

डीएलटीए के प्रशासक रणबीर चौहान ने कहा, ''हमने सुमित नागल से जानकारी ली है और पांच लाख रूपये उनके खाते में जमा कर दिये जायेंगे। डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने इस समर्थन को मंजूरी दी है। '' नागल ने साक्षात्कार में दावा किया था कि एटीपी टूर में बने रहने के लिए उनका सालाना बजट एक करोड़ रूपये से कम का नहीं है और इस राशि का इंतजाम करने के बाद उनके खाते में सिर्फ 900 यूरो ही बचते हैं। पेप्सिको इंडिया के एसोसिएट निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा, ''सुमित भारत की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए आदर्श हैं और उनका करियर उनके कड़े परिश्रम और पसीने का सच्चा उदाहरण है। ''

जनगणना व परिसीमन के पहले ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जाए : विपक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले विधेयक को सत्तारूढ़ भाजपा का 'चुनावी एजेंडा' और 'झुनझुना' करार देते हुए विपक्षी दलों ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में मांग की कि इस प्रस्तावित कानून को जनगणना एवं परिसीमन के पहले ही लागू किया जाना चाहिए। विपक्षी दलों के सदस्यों ने साथ ही यह दावा भी किया कि सरकार चुनावी फायदे के लिए यह विधेयक लेकर आई जबकि इसका लाभ लेने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

कांग्रेस सदस्य केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह सरकार 2014 में ही सत्ता में आ गई थी और उसने महिला आरक्षण लागू करने का वादा भी किया था। उन्होंने सवाल किया कि सरकार को इतने समय तक यह विधेयक लाने से किसने रोका। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार क्या नए संसद भवन के बनने की प्रतीक्षा कर रही थी या इसमें वास्तु से जुड़ा कोई मुद्दा था

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले 'संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023' पर उच्च सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए वेणुगोपाल ने इस विधेयक के प्रति सरकार की गंभीरता पर सवाल उठाया और कहा कि उसने नौ साल गंवा दिए। उन्होंने पूर्ववर्ती संप्रग सरकार के कार्यकाल में बनाए गए विभिन्न कानूनों का जिक्र करते हुए कहा कि वे कानून लोगों के जीवन में बदलाव लाने वाले थे और तत्कालीन सरकार द्वारा दिल से लाए गए कानून थे जबकि यह विधेयक दिल के बदले दिमाग का उपयोग कर लाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' का नारा देती है और महिलाओं को अधिकार एवं सम्मान देने की बात करती है लेकिन मणिपुर जैसे गंभीर मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने 100 दिनों के बाद भी कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले कांग्रेस सदस्य रंजीत रंजन ने विधेयक पर चर्चा की शुरुआत की। रंजन ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें इस विधेयक के पीछे षडयंत्र नजर आता है क्योंकि सरकार साढ़े नौ साल बाद इसे लेकर आई है। उन्होंने सवाल किया कि इस विधेयक के लिए संसद के विशेष सत्र की क्या जरूरत थी? उन्होंने कहा सरकार का मकसद इस विधेयक के जरिए भी सुर्खियां बटोरना है। उन्होंने इस विधेयक को चुनावी एजेंडा करार देते हुए कहा कि क्या सरकार इसके जरिए ''झुनझुना'' (बच्चों का एक खिलौना) दिखा रही है।

'हमारे पास पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एशियाई खेलों के लिए तैयारी में जुटे भारतीय बैडमिंटन कोच आरएमवी गुरुसाईदत्त का मानना है कि देश के पास हांगझोउ में पुरुषों की टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका है। भारत ने पिछले साल मई में थॉमस कप जीता था।

गुरुसाईदत्त ने कहा, ''हम थॉमस कप चैम्पियन हैं और हमारे पास स्वर्ण पदक जीतने का सर्वश्रेष्ठ मौका है। लेकिन यह उस विशेष दिन और मुकाबले पर निर्भर करेगा और साथ ही टीम स्पर्धाओं में लय कैसी रहती है। '' उन्होंने कहा, ''हर कोई उच्च स्तर पर खेल चुका है और सभी खिलाड़ी सर्किट में अच्छा कर रहे हैं। यह देखकर अच्छा लगा कि हमें चौथी वरीयता मिली है जिससे हमें किसी को भी हराने का मौका मिलेगा। तैयारी अच्छी चल रही हैं, अब बस खेलने को तैयार हैं। '' बतौर खिलाड़ी एशियाड पदक की उम्मीद लगाने से लेकर बतौर कोच इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में भारत के शीर्ष खिलाड़ियों को कोचिंग देने तक गुरुसाईदत्त के लिए सफर शानदार रहा है। हैदराबाद के 33 साल के गुरुसाईदत्त 2010 और 2014 में दो एशियाई खेलों में खेल चुके हैं। पिछले साल जून में संन्यास लेने के

बाद राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व कांस्य पदक विजेता ने कोचिंग देने का फैसला किया।

और कुछ ही समय में वह हैदराबाद में पुलेला गोपीचंद अकादमी में एचएस प्रणय और प्रियांशु राजावत जैसे खिलाड़ियों को निखारने लगे। वह 19वें एशियाई खेलों के लिए जाने वाले कोच में शामिल हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा, ''जब से मैंने कोचिंग देना शुरु किया है, यह काफी अच्छा रहा। मेरे लिए 'टाइमिंग' अच्छी रही। मैं बतौर कोच राष्ट्रीय शिविर में था। ''

गुरुसाईदत्त ने कहा, ''मुझे मौका दिया गया, गोपी (भईया) का शुक्रिया कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया। बतौर खिलाड़ी मैंने काफी कुछ सीखा और लोगों ने मेरे अनुभव का समर्थन किया। ''

वह इस समय शिविर में मुख्यत: प्रणय, राजावत और श्रीकांत पर ध्यान लगा रहे हैं जिन्होंने विश्व चैम्पियनशिप से पहले वहां अभ्यास करना शुरु किया। उन्होंने कहा, ''इन सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा काफी सम्मान किया और मुझे काम करने की काफी स्वतंत्रता दी। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे मौका मिला और मुझे कोच बने डेढ़ साल ही हुए हैं। ''

सुविचार

खुद की तरक्की में इतना वक़्त लगा दो ! कि किसी दूसरे की बुराई करने का वक़्त न मिले।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोशल मीडिया और अनुशासन

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के लिए उम्र सीमा तय करने के संबंध में अत्यंत प्रासंगिक टिप्पणी की है। करीब डेढ़ दशक पहले, जब भारत में सोशल मीडिया का विस्तार हो रहा था तो इसके फायदों की ही चर्चा की जाती थी। आज यह माध्यम बेलगाम होता जा रहा है। अपराधी भी इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, स्कूल-कॉलेज के कई विद्यार्थी इसके इतने आदी हो चुके हैं कि उनकी पढ़ाई को नुकसान हो रहा है। चूंकि यहां अकाउंट बनाना बहुत आसान होता है, इसलिए कोई भी चुटकियों में बना सकता है। जन्मतिथि से लेकर बाकी जानकारी ग़लत भरें, तो भी अकाउंट बनाने में कोई खास बाधा नहीं है। कुछ बच्चे छद्म नाम से अकाउंट बना लेते हैं। वे स्कूल में इसकी चर्चा कर सहपाठियों पर रौब जमाने की कोशिश करते हैं। इसके परिणामस्वरूप अन्य बच्चे घर जाकर जिद करते हैं कि उन्हें मोबाइल फोन दिलाया जाए। इन दिनों सोशल मीडिया पर अशोभनीय सामग्री की भरमार है। अभद्र टिप्पणियां और आपत्तिजनक वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। इन्हें देखकर बच्चों के कोमल मन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह मंच विद्यार्थियों के लिए असुरक्षित होता जा रहा है। एक महिला, जिनकी बेटी 10वीं कक्षा में पढ़ती है, वे उसकी सोशल मीडिया पर सक्रियता को लेकर चिंतित थीं। उनकी चिंता अपनी बेटी की पढ़ाई के साथ उसकी सुरक्षा से भी जुड़ी हुई थी। एक दिन उन्होंने सोशल मीडिया पर छद्म नाम से अकाउंट बनाया और बेटी को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी, जो उसने स्वीकार कर ली। फिर परिचय हुआ, बातों का सिलसिला आगे बढ़ा। महिला को उस समय हैरानी हुई, जब उन्होंने अपनी बेटी से उसकी फोटो मांगी, जो उसने भेज दी। बाद में महिला ने उसे सोशल मीडिया से जुड़े जोखिमों के बारे में समझाया और अकाउंट डिलीट करवा दिया।

सोशल मीडिया कंपनियां नए-नए प्रयोग करती रहती हैं, ताकि लोग इस मंच पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं। हाल के वर्षों में छोटे वीडियो का चलन बढ़ा है। इसके पीछे यह तर्क दिया जाता है कि लोगों के पास बड़े वीडियो देखने के लिए समय नहीं होता। हालांकि कई बार छोटे वीडियो देखते-देखते कई घंटे बीत जाते हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई चौपट होने का अंदेशा रहता है। राजस्थान में सीकर जिले के एक गांव की छात्रा पढ़ाई में बहुत होशियार थी। वह स्कूली पढ़ाई के बाद कॉलेज शिक्षा के लिए जयपुर आई। यहां उसने सोशल मीडिया पर अकाउंट बना लिया। अब वह कई-कई घंटे इस पर बिताने लगी। इससे पढ़ाई में प्रदर्शन कमजोर होने लगा। जब परीक्षा परिणाम आया तो वह बमुश्किल द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुई। उसके माता-पिता को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वह स्कूली परीक्षा में जिस विषय में सबसे ज्यादा अंक लाती थी, कॉलेज की परीक्षा में उसमें बहुत कम अंक मिले। इसके बाद उस छात्रा ने सोशल मीडिया से तौबा कर ली और मन लगाकर पढ़ाई की। अगले साल उसका प्रदर्शन शानदार रहा। इसी तरह मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे एक छात्र को सोशल मीडिया का ऐसा चस्का लगा कि उसने किताबों से दूरी बना ली और काफी समय तक चैटिंग करने लगा। कभी स्कूल का बेहद प्रतिभाशाली छात्र रहा यह लड़का सोशल मीडिया के भंवर में फंसता गया और परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया। ये तो महज कुछ उदाहरण हैं। आज कई घरों में अभिभावक यह शिकायत करते हैं कि बच्चा मोबाइल फोन के लिए जिद करता है। जब उसे दे देते हैं तो वह 'कुछ समय और' का अनुरोध करते हुए कई घंटे बर्बाद कर देता है। फिर वह न तो समय पर होमवर्क कर पाता है और न ही टेस्ट की तैयारी ठीक तरह से करता है। इससे घर में अशांति का वातावरण हो जाता है। वास्तव में सोशल मीडिया के संबंध में अनुशासन की जरूरत है। पहले बड़े इसका कड़ाई से पालन करें। फिर छोटों को समय के महत्त्व और जीवन-निर्माण के बारे में समझाएं। इससे जो परिवर्तन आएगा, उसका प्रभाव गहरा होगा।

ट्वीटर टॉक

नारी शक्ति वंदन हमारी सरकार और प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। भारतीय संस्कृति में महिलाओं का हमेशा से बहुत बड़ा स्थान रहा है। हमने नारी को सदैव शक्ति और देवी का रूप माना है।

-जेपी नड्डा

कांग्रेस सरकार के राज में हर तरफ सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार ही सामने दिखाई दे रहा है। 1400 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से तैयार चंबल नदी के किनारे बनाए गए 6 किलोमीटर लंबे हेरिटेज 'चंबल रिवर फ्रंट' के फर्श, पर लगी टाइल्स एवं पत्थर टूट कर बिखर गए हैं।

-राजेन्द्र राठौड़

जयपुर के लक्ष्मी मंदिर तिराहे में स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, श्रीमती सरोजिनी नायडू, अब्दुल गफ्फार खान, नेता जी सुभाष चंद्र बोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ राजेंद्र प्रसाद और सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्तियों का अनावरण किया।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

स्त्री स्वाभिमान की प्रणेता

वर्ष 1897 में दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक मनुभाई मेहता के यहां पुत्री रत्न की प्राप्ति हुई। शिक्षित परिवेश में कन्या बड़ी होती रही। उसने भारत से स्नातक की परीक्षा पास की और आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड चली गई। इंग्लैंड में उनकी मुलाकात सरोजिनी नायडू और राजकुमारी अमृत कौर से हुई। सरोजिनी नायडू ने उन्हें महात्मा गांधी से मिलवाया। महात्मा गांधी से मिलने के बाद तो मानो उस युवती को दिशा ही मिल गई। 1 मई, 1930 को बापू के कहने पर उन्होंने देश सेविका संघ की कमान संभाली और महिलाओं को साथ लेकर विदेशी कपड़ों व शराब की दुकानों को बंद कराने के लिए सत्याग्रह आंदोलन किया। उन्हें बॉम्बे कांग्रेस कमेटी का प्रमुख बना दिया गया। उस युवती ने बॉम्बे में अपनी ऐसी छाप छोड़ी कि उन्हें 'डिक्टेटर ऑफ बॉम्बे' के नाम से पुकारा जाने लगा। उनका कहना था कि देश की हर महिला को समान हक मिलना चाहिए। विद्यार्थी अपनी पुस्तक में 'सभी मनुष्य एक समान हैं और जन्म से स्वतंत्र हैं' पढ़ते हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ के आर्टिकल में इस वाक्य में पहले मनुष्य की जगह पुरुष लिखा हुआ था।

सामयिक

बढ़ता ई-कचरा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए खतरा

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

लगातार बढ़ रहा ई-कचरा न केवल भारत के लिये बल्कि समूची दुनिया के बड़ा पर्यावरण, प्रकृति एवं स्वास्थ्य खतरा है। ई-कचरा से तात्पर्य उन सभी इलेक्ट्रानिक और इलेक्ट्रिकल उपकरणों (ईईई) तथा उनके पार्ट्स से है, जो उपभोगकर्ता द्वारा दोबारा इस्तेमाल में नहीं लाया जाता। ग्लोबल ई-वेस्ट मानिटर-2020 के मुताबिक चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक है। चूंकि इलेक्ट्रिक्ल और इलेक्ट्रानिक उपकरणों को बनाने में खतरनाक पदार्थों (शीशा, पारा, कैडमियम आदि) का इस्तेमाल होता है, जिसका मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ता है। दुनियाभर में इस तरह से उत्पन्न हो रहा ई-कचरा एक ज्वलंत समस्या के रूप में सामने आ रहा है। पारा, कैडमियम, सीसा, पॉलीब्रोमिनेटेड फ्लेम रिटार्डेंट्स, बेरियम, लिथियम आदि ई-कचरे के जहरीले अवशेष मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक होते हैं इन विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने पर मनुष्य के हृदय, यकृत, मस्तिष्क, गुर्दे और कंकाल प्रणाली की क्षति होती है। इसके अलावा, यह ई-वेस्ट मिट्टी और भूजल को भी दूषित करता है। ई-उत्पादों की अंधी दौड़ ने एक अन्तहीन समस्या को जन्म दिया है। शुद्ध साध्य के लिये शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिये जरूरी है कि प्राप्त ई-साधनों का प्रयोग सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ किया जाये, पदार्थ संयम के साथ इच्छा संयम हो।

आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विध्वंसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है। ई-वेस्ट के निपटारे में भारत काफी पीछे है, जहां केवल 0.003 मीट्रिक टन का निपटारा ही किया जाता है। यूएन के मुताबिक, दुनिया के हर व्यक्ति ने साल 2021 में 7.6 किलो ई-वेस्ट डंप किया। भारत में हर साल लगभग 25 करोड़ मोबाइल ई-वेस्ट हो रहे हैं। ये आंकड़ा हर किसी को चौंकाता है एवं चिंता का बड़ा कारण बन रहा है, क्योंकि इनसे कैंसर और डीएनए डैमेज जैसी बीमारियों के साथ कृषि उत्पाद एवं पर्यावरण के सम्मुख गंभीर खतरा भी बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, ई-कचरे से निकलने वाले जहरीले पदार्थों के सीधे संपर्क से स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है।

दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक कचरे के बढ़ने की सबसे बड़ी वजह इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की तेजी से बढ़ती खपत है। आज हम जिन इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को अपनाते जा रहे हैं उनका जीवन काल छोटा होता है। इस वजह से इन्हें जल्द फेंक दिया जाता है। जैसे ही कोई नई टेक्नोलॉजी आती है, पुराने को फेंक दिया जाता है। इसके साथ ही कई देशों में इन उत्पादों के मरम्मत और रिसायक्लिंग की सीमित व्यवस्था है या बहुत महंगी है। ऐसे में जैसे ही कोई उत्पाद खराब होता है लोग उसे ठीक कराने की जगह बदलना ज्यादा पसंद करते हैं। साल 2021 में डेफ्ट यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी द्वारा किए गए सर्वेक्षण में फोन बदलने का सबसे बड़ा कारण साफ्टवेयर का धीमा होना और बैटरी में गिरावट रहा। दूसरा बड़ा कारण, नये फोन के प्रति आकर्षण था। कंपनियों की मार्केटिंग और दोस्तों द्वारा हर साल फोन बदलने की आदतों से भी प्रभावित होकर भी लोग नया फोन ले लेते हैं, जबकि इसकी जरूरत नहीं होती। इस वजह से भी ई-कचरे में इजाफा हो रहा है। एक अन्य आंकड़े के मुताबिक अगर साल 2019 में उत्पादित कुल इलेक्ट्रॉनिक कचरे को रिसायकल कर लिया गया होता वो करीब 425,833 करोड़ रुपए का फायदा देता। यह आंकड़ा दुनिया के कई देशों के जीडीपी से भी ज्यादा है।

यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी की ओर से जारी ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर 2020 रिपोर्ट के मुताबिक साल 2019 में दुनिया में 5.36 करोड़ मीट्रिक टन ई-कचरा पैदा हुआ था। अनुमान है कि साल 2030 तक इस वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक कचरे में तकरीबन 38 प्रतिशत तक वृद्धि हो जाएगी। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि यह समस्या कितनी बड़ी है और आने वाले समय में यह और कितना बढ़ने वाली है। बात अगर दिल्ली की करें तो यहां हर साल 2 लाख टन ई-कचरा पैदा होता है। हालांकि, इसे वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से हैंडल नहीं किया जा रहा है। इससे आग लगने जैसी कई जानलेवा घटनाएं हो चुकी हैं, जो दिल्ली के निवासियों और कूड़ा उठाने वालों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसी क्रम में अभी हाल ही में दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको-पार्क खोला जायेगा। 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी से अनूठे एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा। इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल सामने आया है। यहां जयपुर के एक कलाकार ने ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का इस्तेमाल किया गया है।

भारत सरकार ई-कचरे के निपटारे के लिए प्रबंधन नीति लाई थी, लेकिन वह कारगर नहीं साबित हुई और अब रिसाइकल इंसेंटिव के साथ नई नीति ला रही है। ताकि ई-निर्माण इकाइयां ई-वेस्ट का रिसाइकल करने और पर्यावरण बचाव के प्रति जवाबदेह हो सकें। मौजूदा समय देश में यह काम बड़े स्तर पर असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जाता है, जहां ई-वेस्ट का निपटारा गलत एवं अवैज्ञानिक तरीकों से किया जा रहा है। सरकार ने ई-कचरा (प्रबंधन) नियम-2022 अधिसूचित किया है, जो प्रत्येक विनिर्माता, उत्पादक, रिफर्बिसर, डिस्मैंटलर और ई-वेस्ट रिसाइकलर पर लागू होगा। ई-वेस्ट अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट को लेकर केंद्र सरकार सख्त है और इसे लेकर केंद्र सरकार ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। दिशानिर्देशों के अनुसार अब जो भी ई-वेस्ट पैदा करेगा उन्हें उसे नष्ट करने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी। नए नियमों के तहत इस जिम्मेदारी को न उठाने वालों से सख्ती से निपटा भी जाएंगा, जिसमें उन्हें जुर्माना और जेल दोनों ही भुगतना करना पड़ सकता है। इसके अलावा ई-वेस्ट के दायरे को भी बढ़ा दिया गया है, जिसमें 21 वस्तुओं की जगह अब 106 वस्तुओं को शामिल किया गया है, जिसमें मोबाइल चार्जर से लेकर घरों में इस्तेमाल की जाने वाली सभी छोटी-बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल चीजें शामिल हैं।

मंथन

कोचिंग सेंटरों पर अंकुश जरूरी

डॉ प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

आजकल हम आये रोज परीक्षाओं के लिए कोचिंग करने वाले छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामलों को सुनते है। जैसे ही छात्र आत्महत्या बढ़ती है, हमारी सरकारें कोचिंग माफिया को शिक्षा ऋण के बोझ के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। माता-पिता पर शैक्षिक ऋण का बोझ छात्रों के बीच तनाव के कारणों में से एक है। और इसके लिए केंद्र को एक नीति बनानी चाहिए ताकि माता-पिता को शिक्षा के लिए पैसे उधार न लेना पड़े। कोचिंग संस्थान सस्ते नहीं हैं, और इनकी फीस माता-पिता, विशेषकर कम आय वाले परिवारों पर काफी वित्तीय बोझ हो सकती है। फीस के अलावा, अध्ययन सामग्री, परिवहन और आवास के लिए भारी अतिरिक्त शुल्क हो सकता है। माता-पिता को कोचिंग के खर्चों को कवर करने के लिए ऋण लेने के लिए भी मजबूर होना पड़ता है। यह वित्तीय भार तनाव और चिंता उत्पन्न कर सकता है और कई परिवारों के लिए यथार्थवादी नहीं हो सकता है। कोचिंग संस्थान केवल पैसा इकट्ठा करने में रुचि रखते हैं। इसलिए कोचिंग सेंटरों को माफिया करार करके सरकार को उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी।

जब हम बच्चे थे तो कोई कोचिंग नहीं होती थी। क्या तब छात्र आईएएस, आईपीएस नहीं बन रहे थे? कोचिंग के नाम पर आज के दौर में माफिया उपजे है और सरकार को इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी। गहराई से और विश्लेषणात्मक रूप से देखा जाए तो यह राष्ट्रीय संसाधनों का शुद्ध दुरुपयोग बन गया है। जो छात्र शैक्षणिक उपलब्धि के लिए पूरी तरह से कोचिंग सेंटरों पर निर्भर हैं, वे लंबी अवधि में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान का निर्माण करने में विफल हो सकते हैं। वे नियंत्रित सीखने के माहौल और कोचिंग सेंटर द्वारा दिए जाने वाले व्यक्तिगत ध्यान पर बहुत अधिक निर्भर हो सकते हैं, जिससे आत्मविश्वास और पहल की कमी हो सकती है। क्योंकि प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं के लिए कोचिंग के घोषित बुनियादी उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवारों के चयन की पूर्ति नहीं करते। कोचिंग सेंटर न होने पर भी सर्वश्रेष्ठ छात्रों का चयन किया जाएगा। वास्तव में कोचिंग सेंटरों की अनुपस्थिति में सर्वश्रेष्ठ छात्रों का चयन अधिक वास्तविक होगा। क्योंकि यह स्व- अध्ययन और कच्ची प्रतिभा पर आधारित होगा। कोचिंग सेंटर आंशिक रूप से देश में शिक्षा के गैर समाज पैटर्न का उत्पादन है। कोचिंग सेंटर अक्सर रटने और याददाश्त पर अधिक जोर देते हैं, जो एक छात्र के दीर्घकालिक शैक्षणिक विकास के लिए हानिकारक हो सकता है। परीक्षा-उन्मुख सीखने और निरंतर परीक्षण पर जोर देने से आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान क्षमताओं की उपेक्षा हो सकती है। जो छात्र मुख्य रूप से कोचिंग सेंटरों पर निर्भर रहते हैं, वे जो सीखा है उसका विश्लेषण, मूल्यांकन और वास्तविक जीवन में लागू करने का कौशल हासिल नहीं कर पाते हैं।

दूसरी और इनका बाहरी खर्च अक्सर उन गरीब परिवारों की कमर तोड़ देता है जिन्हें इस डर की दौड़ में भाग लेना पड़ता है। संस्थानों में सीटों की सीमित संख्या और बढ़ती आबादी हर साल प्रतिस्पर्धा को और अधिक कठिन बना देती है। इससे छात्र शारीरिक और मानसिक रूप से तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनमे से कई दुर्भाग्य से इस भारी तनाव से निपटने में असफल होकर अपने बहुमूल्य जीवन को समाप्त कर देते हैं। भारत में कोचिंग उद्योग हमारे छात्र समुदाय और बड़े पैमाने पर समाज को कोई शुद्ध मूल्य वर्धन प्रदान नहीं कर रहा है। हमें स्थापित औपचारिक स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों पर कोचिंग सेंटर के प्रतिकूल प्रभाव का आंकलन करना होगा। वे पीड़ित है क्योंकि उनके कई नियमित शिक्षक अपनी नौकरी की अपेक्षा करते हैं और अंशकालिक निजी ट्यूशन करते हैं। जो छात्रों को कोचिंग सेंटर के लिए तैयार करने के लिए तैयार करते हैं। कोचिंग केंद्रों के विकास के परिणामस्वरूप प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है जो अपने छात्रों को शीर्ष ग्रेड और सर्वोत्तम स्कूलों में प्रवेश के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

इस वजह से, कई छात्रों में चूहा दौड़ मानसिकता विकसित हो गई है, जिसमें वे सफल होने के लिए अपनी नैतिकता और सिद्धांतों को त्यागने के लिए तैयार हैं। प्रदर्शन की मांग बढ़ने के कारण धोखाधड़ी और साहित्यिक चोरी सहित शैक्षणिक बेईमानी बढ़ गई है। हमारा शिक्षा उद्योग समाज के सभी वर्गों के लिए उत्पादक रचनात्मक नवीन और प्रगतिशील होना चाहिए। ऐसे उद्योग जो मौजूदा स्थापित संस्थाओं के समानांतर चलते हैं उनके लिए हानिकारक है।

चिंतन

सत्ता का लोभ और धन की लालसा बड़ा सबब

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है,किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ। भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय और ना जाने कितने महान व्यक्तियों ने नैतिकता और संस्कृति में एकजुट होकर ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था। देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का पतन, क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई तथा इसकी दशा और दिशा मैं नैतिकता का क्षरण तथा पतन धीरे-धीरे प्रारंभ हो गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है की राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है।

भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है। स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन केन प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है,और यही कारण है कि आज अधिकतर भारतीय राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं, एवं उन पर मुकदमा भी चल रहा है। यह सर्व विदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है इसका उपयोग में अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। इस तरह पूरे राज्य स्वदेश के संसाधनों का किसी एक क्षेत्र में निवेश करते जाते हैं, जो अनैतिकता का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। राजनीति में भाई भतीजावाद एक सामान्य बहुत चर्चित लक्षण है, कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो कोई भी बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी ,बेटे आदि को मिल जाए, इतना ही नहीं कई बार सगे संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटलिस्म यानी उद्योगपतियों एवं राजनीतिज्ञों का आपस में गठजोड़ को क्रोनी कैपिटलिस्म माना जाता है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है।

भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने मैं कतई गुरेज नहीं करते हैं। इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है।

संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए जिससे राजनीति थोड़ी साफ सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है,और देश के विकास को भी बल मिलता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति लोगों को विधानसभा या लोकसभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए, जिससे उनका राजनीति में प्रवेश प्रतिबंधित हो सके। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरुआत अधिक धन के संचालित होती है। इसीलिए सभी राजनीतिक दलों के प्राप्त चंदे को ऑडिट के दायरे में लाना जाकर लाया जाना चाहिए, ताकि नैतिक चंदे से राजनीति भी नैतिक हो सके।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पुस्तक जारी

केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी, केरल के परिवहन मंत्री एंटनी राजू, स्कूली बच्चे और अन्य लोग गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में बच्चों की स्कूली शिक्षा के लिए दिशानिर्देशों की एक पुस्तक जारी करते हुए।

जस्टिन ट्रूडो की पार्टी के सांसद ने हिंदुओं को धमकी दिए जाने की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो। भारत-कनाडा राजनयिक विवाद के बीच प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की पार्टी के एक भारतीय-कनाडाई सांसद ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर आतंकवाद के महिमामंडन और देश में हिंदुओं को निशाना बनाने पर नाराजगी जताई है।

खालिस्तान आंदोलन के एक नेता के समर्थन वाले चरमपंथी तत्वों ने कनाडा में रह रहे भारतीयों को खुले तौर पर कनाडा से जाने की धमकी दी है, जिसके बाद कनाडा के 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में नेपियन का प्रतिनिधित्व करने वाले चंद्र आर्य ने यह तीखी प्रतिक्रिया जतायी। लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा के सदस्य आर्य ने कहा, कुछ दिन पहले कनाडा में खालिस्तान आंदोलन के नेता और तथाकथित जनमत संग्रह कराने वाले सिख फॉर जस्टिस के अध्यक्ष गुरपतवंत सिंह पन्नून ने हिंदू कनाडाई लोगों पर निशाना साधते हुए हमसे कनाडा छोड़ने और भारत वापस जाने के लिए कहा।

भारतीय-कनाडाई सांसद ने 'एक्स' पर लिखा, मैंने कई हिंदू-कनाडाई लोगों से सुना है जो इस तरह निशाना बनाए जाने से भयभीत हैं। मैं हिंदू-कनाडाई लोगों से शांत लेकिन सतर्क रहने का आग्रह करता हूं। कृपया हिंदूफोबिया की किसी भी घटना की सूचना अपनी स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दें।

आर्य ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन के नेता हिंदू कनाडाई लोगों को जवाबी कार्रवाई और कनाडा में हिंदू और सिख

समुदायों को विभाजित करने के लिए उकसाने की कोशिश कर रहे हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जून में सरे में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार के एजेंटों का हाथ होने की आशंका जताई, जिसके बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद खड़ा हो गया।

भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया और कनाडा से भारत के अधिकारी को निष्कासित किए जाने पर पलटवार करते हुए कनाडा के एक वरिष्ठ राजनयिक को अपने यहां से निकाल दिया। आर्य ने कहा, कनाडा में उच्च नैतिक मूल्य हैं और हम पूरी तरह से कानून के शासन का समर्थन करते हैं। मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर आतंकवाद का महिमामंडन या किसी धार्मिक समूह को निशाना बनाकर किए जाने वाले घृणा अपराध की इजाजत कैसे दी जा सकती है?

नवाज की पाकिस्तान वापसी से पहले 'कुछ गारंटी' चाहते हैं शरीफ बंधु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/लाहौर। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी प्रमुख नवाज शरीफ और उनके भाई शहबाज शरीफ अगले महीने नवाज की पाकिस्तान वापसी से पहले 'कुछ गारंटी' चाहते हैं। यह जानकारी बृहस्पतिवार को मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट से मिली। 'डॉन' समाचारपत्र की खबर के अनुसार, दो दिन पहले लंदन से लाहौर लौटे शहबाज फिर से अपने बड़े भाई नवाज शरीफ से मुलाकात के लिए बृहस्पतिवार को विमान से रवाना होंगे।

तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज (73) के 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटने और अगले कुछ महीनों में होने वाले आम चुनाव में पीएमएल-एन पार्टी का नेतृत्व करने की उम्मीद है। इसमें कहा गया, ''क्या भ्रष्टाचार रोधी निगरानी इकाई राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) चौधरी शुगर मिल्स मामले में नवाज की संरक्षण जमानत का विरोध करेगी... यह देखने को मिलेगा जब अपनी नियोजित वापसी से पहले पार्टी प्रमुख इसके लिए आवेदन करेंगे।''

पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र के हवाले से 'डॉन' ने कहा, ''शरीफ बंधु नवाज की वापसी से पहले 'कुछ गारंटी' चाहते हैं।''

यह खबर कि शरीफ बंधु 'कुछ गारंटी' चाहते हैं, महत्वपूर्ण है क्योंकि 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटने वाले बड़े भाई (नवाज शरीफ) को उच्चतम न्यायालय के उस ऐतिहासिक फैसले का सामना करना पड़ेगा जिसने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों को बहाल कर दिया है।

नहीं सुलझ पा रही अमेरिका के मूल निवासियों के लापता होने की गुत्थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हार्डिन। दुनियाभर में मानवाधिकारों का दम भरने वाले अमेरिका के अपने मूल निवासी (नैटिव अमेरिकन) दशकों से उत्पीड़न का शिकार होते रहे हैं और उनकी दुर्दशा का आलम यह है कि समुदाय के हजारों लोग पिछले कुछ वर्षों में लापता हो चुके हैं या उनकी हत्या कर दी गयी है लेकिन उनकी सुध लेने वाला तक कोई नहीं है।

योलांदा फ्रेजर छोटे-से शहर मोंटाना में सड़क किनारे बने एक स्मारक पर फूट-फूट कर रो रही हैं जहां उनकी 18 वर्षीय पोती केसेरा स्टॉप्स प्रीटि प्लेसेस का सड़ी-गली हालत में शव मिला था। वह एक 'नैटिव अमेरिकन' शहर से लापता हो गयी थी। लेकिन चार साल बाद भी इसका कोई जवाब नहीं मिला है कि मूल निवासी समुदाय की युवती की हत्या किसने की। कोई संदिग्ध नहीं पकड़ा गया। कोई गिरफ्तारी नहीं की गयी।

फ्रेजर का दुख हर मूल निवासी परिवार की दास्तां है जिनके प्रियजन लापता हो गए हैं लेकिन आज तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है।

फ्रेजर ने कहा, ''मेरा भतीजा विक्टर, मेरा भतीजा डेन फिशर, मेरी करीबी रिश्तेदार क्रिस्टी रोज वुडनथाइ और भी न जाने कितने लोग। मूल निवासी और अन्य लोगों की जिंदगियों में फर्क है....लेकिन हमारी आवाज बुलंद हो रही है।''

अमेरिकी अधिकारी इन असुलझे मामलों पर निराशा जताते हैं जिन्हें आलोचक नस्लीय अन्याय बताते हैं।

नैटिव अमेरिकियों के साथ जुल्म का इतिहास रहा है जिसमें अमेरिकी सेना द्वारा उनका नरसंहार, नैटिव अमेरिकी समुदाय के बच्चों को जबरन बोर्डिंग स्कूल भेजना और कई जनजातियों को उनकी पारंपरिक जमीन से हटाना शामिल है। हाल में कई पीड़ित परिवारों ने फ्रेजर के साथ मिलकर हार्डिन शहर के बाहर 'इंटरस्टेट 90' पर एक बिलबोर्ड लगाया जिसमें मूल निवासी समुदाय के करीब 48 लापता और मृत लोगों के नाम हैं।

पुलिस द्वारा पीछा किए जाने पर एक कार दुर्घटना में 17 वर्षीय बेटे को खोने वाले ब्लॉसम ओल्ड बुल ने कहा, ''जब हम विभाजित थे तो हम इतने मजबूत नहीं थे लेकिन जब हम एकजुट हैं तो हम शक्तिशाली हैं।'' जुलाई में कांग्रेस अनुसंधान सेवा की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के मूल निवासियों के खिलाफ हिंसक अपराध 2010 और 2020 के बीच तीन गुना से अधिक हो गए।

कुलियों से मुलाकात

नई दिल्ली में गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर 'कुली' पोशाक में रेलवे कुलियों से मुलाकात करते हुए।

नहीं रहे अभिनेता अखिल मिश्रा

मुंबई/एजेन्सी

आमिर खान अभिनीत '3 इडियट्स' और 'भोपाल : ए प्रेयर फॉर रेन' जैसी फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता अखिल मिश्रा का रसोई में एक दुर्घटना के बाद निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। सूत्र ने कहा, यह एक दुर्घटना थी। वह रसोई में फर्श पर घायल अवस्था में पाए गए, और अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। हम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि घटना के वक्त उनकी पत्नी सुजैन हैदराबाद में शूटिंग कर रही थीं। अखिल मिश्रा का जन्म 1965 में हुआ था। उन्होंने 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी', 'गांधी, माई फादर' जैसी फिल्मों और 'प्रधानमंत्री' जैसे टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया था।

उन्होंने '3 इडियट्स' में लाइब्रेरियन दुबे की कैमियो भूमिका, टीना दत्ता और रश्मि देसाई अभिनीत 'उतरन' में उम्मेद सिंह बुंदेला की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल की। अखिल की पहली शादी 1983 में मंजू मिश्रा से हुई थी, जिन्होंने 1983 में उनकी पहली फीचर फिल्म 'धत तेरे की' और धारावाहिक 'गृहलक्ष्मी का जिन्न' में उनके साथ काम किया था। 1997 में मंजू की मृत्यु के बाद, उन्होंने फरवरी 2009 में जर्मन अभिनेत्री सुजैन बर्नर्ट से शादी कर ली। सुजैन को 'रामधनु – द रेनबो', 'हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड' में काम करने के लिए जाना जाता है।

उन्होंने टीवी शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में भी काम किया है। उन्होंने टेलीविजन श्रृंखला '7 आरसीआर' और हिंदी फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' में सोनिया गांधी की भूमिका निभाई।

फिल्म 'तुमसे ना हो पाएगा' 29 को होगी रिलीज

मुंबई/वार्ता

अभिनेता इश्वाक सिंह की फिल्म तुमसे ना हो पाएगा डिज़्नी+ हॉटस्टार पर 29 सितंबर पर रिलीज होगी। डिज़्नी+ हॉटस्टार की आगामी फिल्म 'तुमसे ना हो पाएगा' दो बेस्ट फ्रैंड्स की एक प्रासंगिक और जीवन के सार से भरी कहानी है। यह दोस्त अपनी सफलता को खुद तय करना चाहते हैं और समाज की हर आंटी की नुक्ता-चीनी का सामना करते हैं! रॉय कपूर फिल्म्स, आरएसवीपी और स्टार स्टूडियोज द्वारा अश्विनी अय्यर और नीतेश तिवारी के साथ निर्मित 'तुमसे ना हो पाएगा' का निर्देशन अभिषेक सिन्हा ने किया है और इसकी स्ट्रीमिंग डिज़्नी+ हॉटस्टार पर 29 सितंबर 2023 से शुरू होगी।

इश्वाक सिंह ने कहा, मेरे किरदार की मुझे सबसे अच्छी लगने वाली बात यह है कि वह मुझे उस वक्त में ले जाता है, जब मैं खुद एक्टर बनने का अपने बचपन का सपना पूरा करने के लिये संघर्ष कर रहा था। इसमें सिर्फ कॉर्पोरेट जिन्दगी का हास्य नहीं है, बल्कि व्यंग्य, मजेदार स्थितियाँ और बेजोड़ प्रासंगिकता भी है। मेरा मतलब है कि हम सभी इसी तरह जिन्दगी की खुशियों का अनुभव करते हैं। जब मैंने पटकथा पढ़ी, तब वह मुझे बहुत प्रासंगिक लगी, जैसे कि मेरे दोस्तों और मेरे बीच की बातचीत। हम इसी तरह एक-दूसरे को तंग करते हैं, खुद पर हंसते हैं और खुद को बहुत गंभीरता से नहीं लेते हैं। कई बार ऐसा कुछ होता है, जिसके बारे में आप बहुत कुछ नहीं कर सकते और हंसकर रह जाते हैं। इन सभी बातों में हास्य होता है। मुझे सचमुच इसमें मजा आया, क्योंकि यह स्थितियाँ मेरे दोस्तों के साथ मेरे हालातों से काफी मिलती-जुलती थीं।

वरुण धवन ने लालबागचा राजा के किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर वरुण धवन ने गणेशोत्सव के दूसरे दिन लालबागचा राजा के दर्शन किए। एक्टर ने अपने फॉलोअर्स के लिए इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की फोटो शेयर कीं, जिसमें वह येलो कलर का एथनिक कुर्ता पहने नजर आ रहे हैं और बप्पा से आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। उनके माथे पर लाल टीका है। वह भगवान गणपति की विशाल मूर्ति के सामने पोज दे रहे हैं। वीडियो में उन्हें भगवान से प्रार्थना करते हुए दिखाया गया है। वरुण ने पोस्ट को कैप्शन दिया: आज लालबागचा राजा में सबसे अच्छे दर्शन हुए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण फिलहाल अपने अगले प्रोजेक्ट 'वीडी 18' की शूटिंग कर रहे हैं। जुलाई में, सिने 1 स्टूडियोज और ए फॉर एप्पल स्टूडियोज ने वरुण की मुख्य भूमिका वाली सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर फिल्म के लिए हाथ मिलाया था। यह कलीस द्वारा लिखित और निर्देशित है, और मुराद खेतानी और प्रिया एटली द्वारा निर्मित है। फिल्म 'वीडी 18' एटली द्वारा प्रस्तुत की गई है। यह 31 मई, 2024 को रिलीज होने वाली है। इस बीच, उन्हें आखिरी बार नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट और अर्थस्की पिक्चर्स के तहत साजिद नाडियाडवाला और अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्मित 'बवाल' में देखा गया था। इसमें उनके अपोजिट जान्हवी कपूर हैं।

फिल्म 'गणपथ' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की आने वाली फिल्म गणपथ का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही फिल्म गणपथ- राइज ऑफ द हीरो में टाइगर श्राफ के साथ कृति सेनन और अमिताभ बच्चन की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म का पोस्टर टाइगर श्राफ ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने पोस्टर शेयर कर लिखा,उसको कोई क्या रोकेगा...जब बप्पा का है उसपर हाथ आ रहा है गणपथ...करने एक नई दुनिया की शुरुआत, गणपथ आ रहा हैगणपथ इस दशहरा, 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में।

फिल्म गणपथ के पोस्टर में टाइगर श्रॉफ का दमदार लुक देखने को मिल रहा है। पोस्टर में टाइगर के बाल बिखरे है और उन्होंने आंखों में सूरमा लगा रखा है। गुड कंपनी के सहयोग से पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और विकास बहल द्वारा निर्देशित गणपथ-राइज ऑफ द हीरो का निर्माण वाशु भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और विकास बहल ने गया है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

'पशमीना - धागे मोहब्बत के' में मां का किरदार निभाएंगी गौरी तेजवानी

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन शो 'पश्मीना-धागे मोहब्बत के' में अभिनेत्री गौरी तेजवानी, शो के मुख्य किरदार पश्मीना की मां की भूमिका में नजर आएंगी। यह शो कश्मीर की सुंदर घाटी की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के साथ प्रेम की एक खूबसूरत गाथा पेश करता है। 'पश्मीना-धागे मोहब्बत के' में पश्मीना और राघव की भूमिकाएं निभाते हुए, ईशा शर्मा और निशांत मलकानी उन पात्रों में जान डाल देते हैं। शो में गौरी पश्मीना की मां प्रीति सूरी की अहम भूमिका है। प्रीति एक मजबूत, स्वतंत्र महिला हैं और जीवन भर अपनी बेटी के समर्थन का स्तंभ रही हैं। आत्मनिर्भरता में उनके विश्वास ने पश्मीना को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने के लिए सशक्त बनाया है। शो के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'पश्मीना-धागे मोहब्बत के' का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय अनुभव है, क्योंकि यह कश्मीर की मनमोहक पृष्ठभूमि पर रोमांस के कालातीत तत्वों को एक साथ बुनता है। शो की स्क्रिप्ट वास्तव में असाधारण है। कश्मीर की सुंदरता बचपन की कई यादें ताजा कर देती है।'' उन्होंने कहा, प्रेम में विश्वास करने वाली प्रीति जैसे चरित्र को पर्दे पर जीवंत करने का यह एक अनूठा अवसर है। मैं वास्तव में उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी उतना ही आनंद लेंगे जितना मैंने लिया है।'' प्रीति एक महत्वपूर्ण किरदार होगी, क्योंकि उसके निर्णय और कार्य इन दो प्रेमियों के भाग्य में एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं, जो उनके रिश्ते को आकार देते हैं। 'पश्मीना-धागे मोहब्बत के' का प्रीमियर अक्टूबर में सोनी सब पर होगा।

करण जौहर की फिल्म में काम करेंगे सलमान खान!

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान फिल्मकार करण जौहर की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। सलमान खान ने करण जौहर की फिल्म कुछ-कुछ होता है में काम किया था। 25 साल बाद एक बार फिर से सलमान खान, करण जौहर की अनटाइटल फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन विष्णुवर्धन करेंगे। सलमान की फिल्म 'टाइगर 3' दीवाली के मौके पर रिलीज हो रही है। इसके अलावा वह जल्द ही बिग बॉस 17 की शूटिंग भी शुरू करेंगे।इन दोनों प्रोजेक्ट्स के अलावा सलमान खान,करण जौहर की फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे, जिसकी तैयारियां सलमान खान के शुरू कर दी है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में राजस्थान परिषद् द्वारा क्षमापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मैत्री गीत का संगान रणजीत राखेचा एवं अशोक कोठरी ने किया।

'भक्ति से ही मुक्ति का मार्ग और भक्ति से ही परमात्मा से मिलन होता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एलएनपुरम में शांतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी के सान्निध्य में पहली बार तीन दिवसीय नवग्रह जाप अनुष्ठान हो रहा है। मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि यह अनुष्ठान परिवार में सुख-शांति और जीवन की उन्नति के लिए, विघ्न निवारक, मनोवांछित पूरक सकल मंगलकारक भव्य अनुष्ठान है।

जीवन में अनेक प्रकार की पीड़ा एवं दुःख निवारक मन के वांछित पूर्ण करने वाला यह अनुष्ठान है। वचन की शक्तियों को बढ़ाने वाला ज्ञानवर्धक अनुष्ठान है। अरिहंत परमात्मा की भक्ति करने से जो शरीर की भी पीड़ा हो तो वो सब दूर हो जाती है।

भक्ति से ही मुक्ति का मार्ग मिलता है और भक्ति से ही परमात्मा से मिलन होता है। आयोजकों ने श्रावक श्राविकाओं से इस अनुष्ठान में जुड़ने का आह्वान किया है।

राजस्थान परिषद के क्षमापना दिवस कार्यक्रम में सभी ने मांगी सामूहिक क्षमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के सान्निध्य में राजस्थान परिषद द्वारा क्षमापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मैत्री गीत का संगान रणजीत राखेचा एवं अशोक कोठरी ने किया। तत्पश्चात सामूहिक क्षमापना के क्रम के तहत आचार्यश्री महाश्रमण एवं अन्य साधु-साध्वियों से विगत वर्ष में भूलों के लिए क्षमायाचना की गयी। उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने भी परस्पर क्षमा मांगी। अध्यक्ष ललित सेठिया ने सभी का स्वागत किया एवं वर्तमान एवं निवर्तमान प्रबंध-मंडल, परामर्शकों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की और से सम्पूर्ण समाज से क्षमा का निवेदन किया। तेरापंथ सभा गांधीनगर अध्यक्ष कमल दुगड़ ने सम्पूर्ण समाज से धार्मिक गतिविधियों से जुड़ने एवं लाभ लेने का आह्वान किया।

मुनिश्री हेमंतकुमारजी ने परिषद के सदस्यों से योग्य बालक-बालिकाओं को ज्ञान-शाला के उपक्रम से जुड़ने के लिए प्रेरणा दी। मुनिश्री हिमांशुकुमारजी ने मंगल प्रवचन में स्वयं की साधना, गुरु इंगित की आराधना, धर्म संघ की प्रभावना के प्रति समाज को जागरूक होने के लिए कहा। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनय बैद ने किया।

मन में इच्छा-कामना का न होना ही, साधना है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशील धाम में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने धर्म संदेश देते हुए कहा कि इच्छा का न होना ही साधना है। साध=इच्छा, ना नहीं। 'साध' कहते हैं इच्छा को, कामना और वासना को, 'न' कहते हैं नहीं को। मन में इच्छा-कामना का न होना ही साधना है। इसी साधना शब्द में ही साधना का अर्थ छिपा हुआ है। मन की तृष्णा कामनाएं मिट गई, वासनाएं मिट गई, जीवन साधना से परिपूर्ण हो गया। कहीं भटकना नहीं है। कहीं दौड़ना नहीं है। जिस आत्मा ने कामना को जीत लिया, जिसकी चाहना मिट गई उसके समान सुखी और उसके समान सम्राट कौन हो सकता है।

'कामे कमाहि कमियं खु दुक्खं' भगवान महावीर स्वामी ने दशवैकालिक आगम में कहा है कि जिसकी इच्छाओं और वासनाओं को जीत लिया वो व्यक्ति कभी दुखी नहीं होगा। चाह गई चिंता मिटी, मनुवा बेपरवाह। जाको कछु न चाहिये, सो शाहन पति शाह। इसलिए साधन बढ़ाने की फिक्र न करें, किन्तु साधना बढ़ाने की फिक्र करें। साधना से ही जीवन में परिपूर्णता आती है, साधन से नहीं आती। दुर्भाग्य यह है कि सब रात-दिन साधन के पीछे दौड़ रहे हैं, जब साधना का कभी ख्याल होगा तब जीवन में अल्प साधन और बहुत साधना तरफ जीवन ढलेगा। मनुष्य जीवन साधन के अभाव में निष्फल नहीं होता, किन्तु साधना के अभाव में निष्फल होता है। मुनिश्री ने कहा कि अधिकतम लोग भौतिक साधनों के बारे में ही सोचते हैं और साधन नहीं मिलते तो समझते हैं कि हमारा जीवन निष्फल असफल गया, लेकिन मनुष्य जीवन साधन के अभाव में निष्फल नहीं होता है, निष्फल होता है साधना के अभाव में।

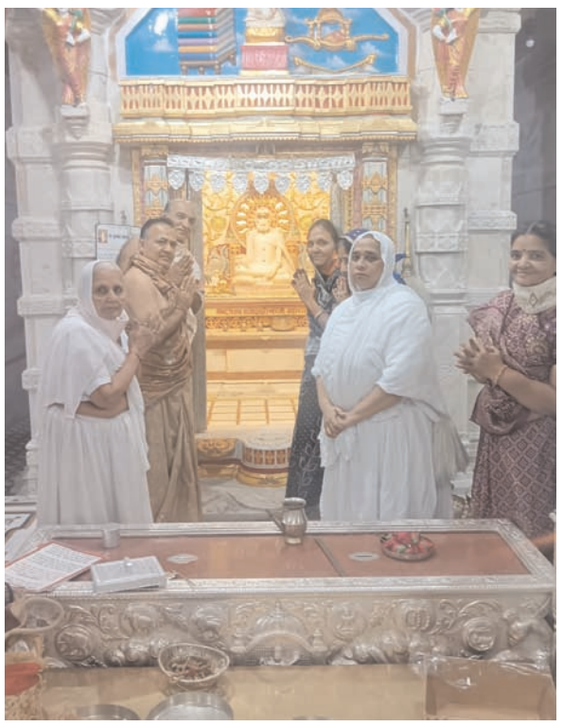

मौन आत्मशुद्धि का उपाय है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि बोलना चाँदी है, किन्तु मौन बहुमूल्य आभूषण है। मौन आनन्द का अक्षय कोष है। मौन मुक्तिनगर पहुँचाने का माध्यम है। मौन पर सदैव शान्ति व समाधि के फल लगते हैं। मौन आत्मशुद्धि का उपाय है। मौन से दिमाग की शक्ति बढती है। मौन से शोक, सन्ताप घटते हैं। मौन बुद्धिमानी का लक्षण है, जब कि बडबड करना, अधिक बोलना दूषण है। जैसे बाण से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता वैसे ही मुँह से निकला हुआ वचन वापस नहीं आता। इसलिए बोलने में सावधानी न रहे तो मौन रहना श्रेष्ठ है।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि बहुत बोलने वाली जिह्वा हमें समझ देते हुए कहती है कि मैं तो वीरा एकली, नारी नाम धराय । थोडी सी आकरी बोलूँ, तो बत्तीसी झड जाय। मौन की आवाज कभी निष्फल नहीं जाती। मौन रहने पर मूर्ख भी विद्वानों की श्रेणी में आ जाता है। मौन का मूक उपदेश कई बार भाषणों से भी विशेष प्रभावशाली होता है। मौन मानव का सच्चा भूषण है । महापुरुषों का कथन है कि शब्द मोती से भी मूल्यवान है। क्योंकि जेब से गया मोती भाग्योदय से वापस मिल सकता है, परन्तु मुँह से निकला हुआ वचन वापस लेना असम्भव है। मेघराज भंसाली ने बताया कि राजेन्द्रसूरी गुरुदेव के 108 अभिषेक का लाभ सुरेश कुमार उत्तमचंद वाणीगोता ने लिया।

महाप्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेलन्दूर में गणेश महोत्सव के उपलक्ष्य में मारवाड़ी व्यापारी संघ ने अन्नदान का आयोजन किया। बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ द्वारा सामाजिक सरोकार निभाते हुए स्थानीय गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना कर बुधवार शाम को दर्शनार्थी व सैकड़ों श्रद्धालुओं को शाही पुलाव एवं केसरी भात का सार्वजनिक प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके व्यापारी संघ के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

हुब्बल्ली में पांच दिवसीय विशेष एक्युप्रेशर शिविर प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। पतंजलि योग पीठ कर्नाटक के वरिष्ठ राज्य प्रभारी व योग गुरु भंवरलाल आर्य की उपस्थिति में प्रसिद्ध एक्युप्रेशर विशेषज्ञ आरके शर्मा द्वारा मुकुंदनगर स्थित पतंजलि वेलनेस में 5 दिवसीय शारीरिक दर्द निवारक एक्युप्रेशर शिविर शुरू किया गया। भंवरलाल आर्य ने कहा कि एक्यूप्रेशर चिकित्सा एक प्राचीन भारतीय दवा-मुक्त उपचार प्रणाली है।

हजारों वर्ष पहले विदेशियों ने यह प्रथा भारत में सीखी और विदेशों में इसका प्रयोग किया। आज दुनिया भर में इस प्रथा का इस्तेमाल कई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने के लिए किया जाता है। देहरादून से आए एक्युप्रेशर विशेषज्ञ आरके शर्मा ने बताया कि वे इस शिविर में 25 सितम्बर तक घुटनों, कमर, गर्दन, जोड़ों, साइटिका, सिरदर्द आदि का इलाज बिना किसी दवा के किया जाएगा। शिविर में स्थानीय वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा आयुर्वेदिक व प्राकृतिक उपचार के लिए परामर्श दिया जाएगा।

इस कार्यक्रम में पतंजलि वेलनेस के मधुसूदन सहित अनेक डाक्टर, कर्मचारी, एक्युप्रेशर विशेषज्ञ आदि उपस्थित थे।

जश्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया गुरुवार को संसद भवन के बाहर पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं से मिले, जो लोकसभा में ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने का जश्न मना रही थीं। सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और कार्यकर्ताओं को मिठाई बांटी।

अनुभव से ही पाया जा सकता है परमात्मा व प्रेम को : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि परमात्मा-प्रेम और प्राणवायु दिखते नहीं है पर अनुभव होते हैं। परमात्मा हमें दिखते नहीं परन्तु हम उन्हें अनुभव कर सकते हैं। इसी कारण से हमारे मन में अच्छे भाव और वैराग्य भाव बनते हैं। प्रेम भी दिखता नहीं है परन्तु अनुभव किया जाता है। हमें भी संघ का अपार प्रेम मिल रहा हैं जिसके लिए मैं संघ का आभारी हूँ। शरीर को जिंदा बनाए रखने के लिए प्राणवायु आवश्यक है परन्तु प्राण वायु हमें दिखाई नहीं देती फिर भी हमारे लिए जरुरी है। मन को टिकाने का काम प्रेम करता है और आत्मा को टिकाने का काम परमात्मा करते है। प्रेम की पाँच सीढ़िया होती है। प्रेम में सबसे पहले प्रेम करने वाले को देखना, उसे अच्छा लगना, उसे चाहना, उसे पाना और फिर उसे निभाना जरुरी है।

वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड में 12 स्कूलों को प्रायोजित किया रॉकवेल ऑटोमेशन कम्पनी ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंडिया एसटीईएम फाउंडेशन (आईएसएफ) द्वारा आयोजित वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड (डब्ल्यूआरओ) में भाग लेने के लिए भारत के प्रमुख शहरों में बेंगलूरु सहित 12 स्कूलों को इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में अग्रणी कम्पनी 'रॉकवेल ऑटोमेशन इंक.'प्रायोजित कर रही है। यह पहल वंचित छात्रों के लिए साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स (एसटीईएम) शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरु की गई है। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च पुणे के संस्थापक सदस्य एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अरविंद नाटू ने इस पहल की सराहना की। रॉकवेल ऑटोमेशन इंडिया के प्रबंध निदेशक दिलीप साहनी ने कहा कि कम्पनी समाज में सकारात्मक प्रभाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इंडिया एसटीईएम फाउंडेशन के साथ सहयोग करने में खुशी हो रही है। वर्ल्ड रोबोट ओलंपियाड कार्यक्रम में 35 स्कूलों की 38 टीमों ने भाग लिया। रॉकवेल ऑटोमेशन स्पोंसर्ड दो टीमों ने जूनियर और सीनियर श्रेणियों में अपने रीजनल राउंड जीते। इन टीमों ने सितंबर 2023 में होने वाली नेशनल चैंपियनशिप के लिए अपनी सीट पक्की कर ली है। प्रायोजित स्कूलों में बेंगलूरु का स्वामी विवेकानंद विद्या केंद्र के विद्यार्थी भी शामिल हैं।

नीट पीजी में प्रवेश के लिए क्वालीफाइंग शून्य करने पर स्टालिन ने की केंद्र की आलोचना

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गुरुवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) की कटऑफ को शून्य तक कम करने के लिए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। केंद्र के निर्णय को अर्थहीन बताते हुए स्टालिन ने कहा कि यह योग्यता आधारित प्रवेश प्रक्रिया के लिए हानिकारक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उन्होंने कहा, एनईईटी पीजी कटऑफ को शून्य तक कम करके, वे स्वीकार कर रहे हैं कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में पात्रता अर्थहीन है। यह सिर्फ कोचिंग सेंटर और परीक्षा के लिए भुगतान करने के बारे में है। इससे अधिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे कहा, एनईईटी = 0। एनईईटी का योग्यता से कोई लेना-देना नहीं है, जैसा कि हम हमेशा से कहते रहे हैं। यह केवल एक औपचारिकता रही है, यह वास्तविक पात्रता मानदंड नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी सारी कीमती जानें जाने के बावजूद केंद्र की भाजपा सरकार निर्दयी बनी हुई है और अब इस तरह का आदेश सिर्फ नुकसान पहुंचाने के लिए लेकर आई है। भाजपा सरकार को हटाया जाना चाहिए। एम.के. स्टालिन के बेटे और तमिलनाडु के खेल और युवा मामलों के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' का सहारा लिया और केंद्र सरकार द्वारा पीजी मेडिकल प्रवेश के लिए एनईईटी क्वालीफाइंग मानदंड को शून्य तक कम करने के खिलाफ प्रदर्शन किया।

हार्दिक आभार एवं अनुमोदना

लाभार्थी संघवी परिवार चेलावास का अभिनंदन करते श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट के पदाधिकारी

रात्रि भोजन त्याग की भावना को साकार करने में पर्यूषण महापर्व के आठों दिन श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट द्वारा चौविहार चौका संचालित किया गया जिसमें प्रतिदिन 1500 से 2000 जैन साधर्मिक भाईयों व बहनों ने सात्विक एवं स्वादिष्ट भोजन का लाभ लिया । इस चौविहार चौका के सम्पूर्ण **लाभार्थी संघवी चम्पालालजी प्रकाशचंदजी रुपचंदजी भरतकुमारजी विशालकुमारजी अभिषेक कविश सिंघवी परिवार चेलावास (बेंगलूरु)** के सुकृत की ट्रस्ट भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए खूब-खूब अनुमोदना करता है ।

चौविहार हाऊस (चौका) की उत्कृष्ट व्यवस्था एवं भोजन की क्वालिटी से अभिभूत होकर **वर्ष 2024 के लिए उद्योगपति एवं समाजसेवी रणजीतमलजी जितेन्द्रकुमारजी कानूंगा परिवार गढ सिवाना एवं वर्ष 2025 के लिए उदारमना समाजसेवी श्रीमती भीखीबाई पूनमचंदजी लूणावत परिवार (कावेरी ग्रुप) लूणी वालों** ने स्वतः सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर प्रसन्नता व्यक्त की जिसकी भी ट्रस्ट खूब खूब अनुमोदना करता है । चौविहार हाऊस में भोजन परोसने से लेकर सुव्यवस्थित व्यवस्था में श्री गोडवाड जैन महासभा व अनेक समाजिक कार्यकर्त्ताओं का योगदान विशेष उल्लेखनीय रहा उनको भी साधुवाद !

मिच्छामि - दुक्कडम्
अनुमोदनकर्ता
श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट (रजि.)
नं. 131/1, लाल बाग रोड क्रॉस, पूर्णिमा थियेटर के पीछे, बेंगलूरु - 27.

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com